जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोन:- 2627612, 2427249 फैक्स:- 0145-2624665 वर्ष: 36 संख्या: 185 प्रभात अजमेर, मंगलवार 10 फरवरी, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस ने जयपुर के राजघराने का नाम भी घसीटा दुराचारी एप्स्टीन प्रकरण में

एआईसीसी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने ट्वीट करके फैलाया कि महाराजा जयपुर, सवाई पद्मनाभ की बीसवीं सालगिरह पर एप्स्टीन के जानकार, मित्र व सहयोगी ने एक ''अलौकिक'' जश्न आयोजित किया

- पवन खेड़ा की ट्वीट के अनुसार, यह जश्न (पार्टी) एप्स्टीन के मित्र ने अपने रोम के पास स्थित किले में 2018 में आयोजित किया था तथा इसकी सूचना एप्स्टीन को लिख कर भेजी थी।
- पवन खेड़ा की ट्वीट के अनुसार, जश्न की जानकारी तो ''टिप ऑफ द आईसबर्ग'' है और एप्स्टीन के घराने से संबंध काफी गहरे और पुराने हैं।
- पवन खेड़ा ने अपने ट्वीट में यह भी लिखा है कि यह सब जानकारी अमेरिका के डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस की वैबसाइटः जस्टिस.जीओवी/एप्स्टीन/फाइल्स/पर उपलब्ध है।
- पवन खेड़ा ने दीया कुमारी, राजस्थान की वित्त मंत्री, जो दस फरवरी को राज्य का बजट पेश करेंगी, को यह चुनौती भी दी कि वे उनके परिवार पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आक्षेप को स्वीकार करें, प्रतिवाद करें या चुप्पी रखें, यह उनका अधिकार है। पर, जनता में भारी उत्सुकता है कि उनके पुत्र के जन्मदिन पर आयोजित ''जश्न'' का बजट कितना था और किसने उसका भुगतान किया।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 फरवरी। कांग्रेस ने जयपुर राजघराने पर भारी कीचड़ उछाला। एआईसीसी के मीडिया प्रभारी पवन खेड़ा ने एप्स्टीन के एक दस्तावेज़ को एक्स पर शेयर किया।

''सोमवार, 14 मई 2018 को, एक प्रेषक (जिसका नाम गोपनीय कर दिया गया है) ने एप्स्टीन को लिखा: मैं इस गर्मी में रोम के पास हमारे पारिवारिक किले में जयपुर के महाराजा के जन्मदिन की पार्टी आयोजित कर रही हूँ। यह अलौकिक होने वाली है!!!''

खेड़ा ने बताया, यहाँ जयपुर के जिन महाराजा का उल्लेख है, वे पद्मनाभ सिंह हैं, राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता दीया कुमारी के पुत्र। सूत्रों ने बताया, वर्ष 2018 में रोम में उनका 20वाँ जन्मदिन भव्य तरीके से आयोजित किया गया था, इसकी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। पवन खेड़ा ने सवाल उठाया कि दीया कुमारी जब कल राज्य का बजट पेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार की तबियत बिगड़ी

मुंबई, 09 फरवरी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख और पूर्व केन्द्रीय मंत्री शरद पवार (85) की सोमवार दोपहर में सीने में अचानक जकडऩ होने की वजह से तबियत बिगड़ गई। पवार को पुणे के रुबी हॉल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शरद पवार को गले से जुड़ी समस्या और खांसी की भी शिकायत है।

शरद पवार के भतीजे श्रीनिवास पवार ने बताया कि शरद पवार को कल रात से लगातार खांसी हो रही थी और उन्हें सीने में जकडऩ महसूस हो रही थी, जिसके बाद उन्हें पुणे स्थित रुबी हॉल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

रूबी हॉल अस्पताल के मुख्य कार्डियोलॉजिस्ट और मैनेजिंग ट्रस्टी

- सीने में अचानक जकड़न की शिकायत पर पवार को पुणे के रूबी हॉल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉ. परवेज़ ग्रांट ने कहा कि डॉक्टरों की एक टीम शरद पवार की जांच कर रही है और उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की आकस्मिक मौत के बाद पवार परिवार को सांत्वना देने के लिए राज्य भर से नेता और पदाधिकारी बारामती आ रहे हैं। शरद पवार हर दिन सुनेत्रा पवार के परिवार से भी मिल रहे थे। इससे शरद पवार बेहद थक गए थे। इसी वजह से बीती रात उन्हें दिक्कत होने लगी, जिससे डॉक्टरों की टीम ने उनके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने ममता बनर्जी की खिंचाई की

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आपने पुरजोर ढंग से कहा था, जो 1.36 करोड़ नाम कटे हैं, उसके लिए अफसर जिम्मेदार हैं, पर, आपने अफसरों के नाम नहीं बताए

- सुप्रीम कोर्ट में प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका की सुनवाई हो रही है, जिसमें उन्होंने राज्य में एसआईआर को चुनौती दी है और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं।
- चुनाव आयोग ने अपने जवाब में कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार ने अफसरों के नाम नहीं बताए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 फरवरी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त 8,300 माइक्रो-ऑब्ज़र्वरों की तैनाती का मुद्दा उठाया। उन्होंने इन्हें केन्द्र सरकार के अधिकारी बताते हुए आरोप लगाया कि वे बिना किसी अधिकार के असंवैधानिक रूप से मतदाता सूची से नाम हटा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट पश्चिम बंगाल में विशेष गहन स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (एसआईआर) को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका पर निर्वाचन आयोग के जवाब की सुनवाई कर रहा है।

इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ कर रही है।

निर्वाचन आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शीर्ष अदालत में कहा कि 1.36 करोड़ से अधिक मतदाताओं के नाम एक कानूनी विसंगति की सूची में डाले गए हैं, इन नामों को हटाए जाने का खतरा है।

उनका दावा था कि यह खतरा सरनेम में स्पैलिंग की गलतियाँ या विवाह के बाद बेटियों के पते बदलने जैसी त्रुटियों के आधार पर पैदा हुआ है।

निर्वाचन आयोग ने दावा किया कि अधिकारियों से संबंधित विवरण और जानकारी साझा नहीं की गई।

ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने निर्वाचन आयोग के इस दावे का खंडन करते हुए कहा कि नाम तैयार हैं, संकलित कर लिए गए हैं तथा उन्हें आयोग को भेज दिया गया था।

इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने ममता बनर्जी से सवाल किया, ''जब हमने 4 फरवरी को निर्देश दिए थे, तो आप 7 फरवरी को रात 12 बजे ई-मेल के जरिए नाम क्यों भेज रही हैं?''

संसद को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 09 फरवरी। राजधानी दिल्ली के 15 स्कूलों को सोमवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी भरे ई-मेल मिले। मेल में दावा किया गया कि 13 फरवरी को दोपहर 1.11 बजे संसद में ब्लास्ट होगा और दिल्ली को खालिस्तान बना देंगे।

अधिकारियों ने बताया कि आठ धमकियां बाद में फर्जी पाई गईं। ईमेल में आतंकी अफजल गुरु और पंजाब को खालिस्तान बताने का भी जिक्र था। धमकी के बाद स्कूलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के मुताबिक, सुबह अलग-अलग इलाकों के स्कूलों से इमरजेंसी कॉल आईं। इसके बाद फायर टेंडर, बम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए तैयार

पर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसके लिए तीन शर्तें रखी हैं

- पहली शर्त है, बांग्लादेश को ज्यादा हर्जाना दिया जाए।
- दूसरी शर्त है, बांग्लादेश भले ही टी-20 वर्ल्ड कप नहीं खेल रहा है, पर, उसे पूरी फीस दी जाए।
- तीसरी शर्त है, पाकिस्तान को भी भविष्य में आईसीसी का इवैंट आयोजित करने का अवसर दिया जाए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 फरवरी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पी.सी.बी.) ने इंटरनैशनल क्रिकेट काउन्सिल (आई.सी.सी.) के साथ चल रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए तीन मांगें रखी हैं। इससे पहले पी.सी.बी. ने अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी, भारत के खिलाफ होने वाले टी20 विश्व कप 2026 मैच का बहिष्कार करने का फैसला किया था, जबकि आईसीसी ने उसे संभावित परिणामों के बारे में चेतावनी भी दी थी।

सूत्रों के अनुसार, पी.सी.बी. ने रविवार को लाहौर में आई.सी.सी. अधिकारियों के साथ हुई बैठक के दौरान गतिरोध खत्म करने के लिए तीन मांगें रखीं: (1) बांग्लादेश के लिए मुआवजा बढ़ाया जाए, (2) टी20 विश्व कप से बाहर होने के बावजूद बांग्लादेश को भागीदारी शुल्क दिया जाए, और (3) भविष्य में किसी आई.सी.सी. टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार दिया जाए।

सूत्रों ने यह भी बताया कि जहाँ कुछ पी.सी.बी. अधिकारी 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले भारत के खिलाफ मैच खेलने के पक्ष में हैं, लेकिन बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी इस मामले में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

आई.सी.सी. ने पिछले महीने बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर कर दिया था, क्योंकि उसने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत जाने से इनकार कर दिया था। आई.सी.सी. ने भरोसा दिलाया था कि टीम के लिए कोई सत्यापित खतरा नहीं है, फिर भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बी.सी.बी.) अपने फैसले पर कायम रहा, जिसके बाद आई.सी.सी. ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया।

मान को विदेश यात्रा की अनुमति तीसरी बार भी नहीं मिली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 फरवरी। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की चेक

- पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान नीदरलैंड व चैक रिपब्लिक जाने वाले थे, पर, केन्द्र सरकार ने अनुमति नहीं दी। इससे पहले उन्हें यूके व इज़रायल जाने की अनुमति भी नहीं दी गई थी।

गणराज्य और नीदरलैंड की यात्रा रद्द हो गई है, क्योंकि केन्द्र सरकार ने उनकी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ओम बिड़ला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी

कांग्रेस का दावा है, उसके पास पर्याप्त सांसद संख्या है, प्रस्ताव लाने के लिए तथा बीस दिन का नोटिस भी दे दिया गया है, जो सदन के मार्च ब्रेक के बाद प्रभावी हो जाएगा

- कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों से बात भी कर रही है, अविश्वास प्रस्ताव में सहयोग देने के लिए। सपा, डीएमके, वामपंथी दल इस प्रस्ताव में सहयोग करने को तैयार हैं।
- कांग्रेस की लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ मुख्य शिकायत है कि उन्होंने उनके नेता राहुल गांधी को बोलने का मौका नहीं दिया, जब उन्होंने गलवान घाटी पर चीनी घुसपैठ व झड़प पर पूर्व सेनाध्यक्ष नरवाणे की किताब के कुछ अंश पढ़ने चाहे। राहुल गांधी से कहा गया था कि उन्हें अपनी बात कहने का मौका बजट पर बहस आरंभ होने से पहले दिया जाएगा, पर, लोकसभाध्यक्ष ने यह मौका नहीं दिया और सदस्यों को बजट पर चर्चा आरंभ करने की अनुमति दी।
- दूसरी शिकायत है, लोकसभाध्यक्ष ने विपक्ष के आठ सांसदों को निलंबित किया, पर, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की।
- लोकसभाध्यक्ष के खिलाफ विपक्ष की बड़ी शिकायत यह भी है, जिस प्रकार उन्होंने विपक्ष की महिला सांसदों पर यह आरोप लगाया कि वे प्र.मंत्री पर हमला करने की साजिश रच रही थीं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 फरवरी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। कांग्रेस, स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि उनके कई फैसलों में पक्षपात दिखाई दिया है, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा का पक्ष लेना, विपक्ष के साथ भेदभाव करना, विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न देना, विपक्ष के आठ सांसदों को निलंबित करना, लेकिन भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ कोई कार्रवाई न करना शामिल है। यह भी आरोप है कि उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा के निर्देश पर फैसले लिए और उन्हें यह तय करने दिया कि क्या किया जाना चाहिए।

विपक्षी सांसदों का कहना है कि सबसे बुरा तरीका वह था, जिसमें उन्होंने विपक्षी महिला सांसदों के खिलाफ बयान दिया और उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करने की योजना बनाने का आरोप लगाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीकेवाईसी आईडी: केवाईसी संबंधी आपकी सभी ज़रूरतों को पूरा करने वाली एकमात्र चाबी

सीकेवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री द्वारा जारी की जाने वाली 14-डिजिट की विशिष्ट सीकेवाईसी आईडी

यह कैसे काम करता है?

- केवाईसी जानकारी अपने बैंक में जमा करें।
- बैंक केवाईसी जानकारी केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड रजिस्ट्री पर अपलोड करता है।
- इसे सभी बैंकों और वित्तीय संस्थाओं द्वारा इस्तेमाल किया जा सकता है।

अपनी सीकेवाईसी आईडी को जानें।
मिस्ड कॉल: 7799022129 या
ऑनलाइन: www.ckycindia.in

प्रमुख फायदे
- विभिन्न बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं में आसानी से खाता खोलें।
- केवाईसी अपडेट करना हुआ आसान: एक बैंक में अपडेट की गई केवाईसी आपके अन्य सभी बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं में अपडेट हो जाती है सीकेवाईसी के ज़रिए।

आसान। सुरक्षित। मानकीकृत।

अधिक जानकारी के लिए देखें https://rbikehtahai.rbi.org.in
अपनी प्रतिक्रिया देने के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर भेजें।
क्यूआर कोड स्कैन करें।
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नं. 99990 41935 / 99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

विचार बिन्दु

एक झूठ को छिपाने के लिए अनेक झूठ बोलने पड़ते हैं। –कहावत

‘ट्रेड डील’ या ‘ट्रैप डील’

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 3 फरवरी, 2026 को अचानक यह घोषणा कर दी कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर सहमति हो गई है। उन्होंने यह जानकारी देते हुए बताया कि अमेरिका भारत से आने वाली वस्तुओं पर टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर रहा है। भारत, अमेरिका से आयात होने वाली वस्तुओं पर शून्य टैरिफ लगाएगा या बहुत कम कर देगा। ट्रंप की घोषणा के बाद 6 फरवरी 2026 को भारत और अमेरिका के द्वारा एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी की गई जिसमें ट्रेड डील के प्रमुख बिंदुओं के बारे में बताया गया । यह उल्लेखनीय है कि पहले अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया था। चूंकि भारत द्वारा रूस से तेल आयात किया जा रहा था इसलिए उस पर 25 प्रतिशत पेनल्टी लगा दी गई थी। इस प्रकार भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका में 50 प्रतिशत की टैरिफ लागू हो गई थी ।

ट्रंप की इस एक तरफा घोषणा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने समस्त भारत वासियों की ओर से अमेरिका का धन्यवाद किया और आशा व्यक्त की, कि इससे दोनों देशों के व्यापार को बहुत गति मिलेगी। जब से यह डील सामने आई है, राजनीतिज्ञों, अर्थशास्त्रियों द्वारा प्रतिक्रियाएं दी जा रही है। सत्ताधारी दल, जहां इसे प्रधानमंत्री मोदी की बड़ी सफलता बता रहा है और इसे भारत के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि बता रहा है, वहीं विपक्षी दल इसे भारत द्वारा अमेरिका के सामने समर्पण करने जैसा बता रहे हैं। इस लेख में हम यह देखने का प्रयास करेंगे कि वास्तविकता क्या है?

पाठकों की जानकारी के लिए यह जानना दिलचस्प होगा कि भारत का अमेरिका को कुल निर्यात 80 बिलियन डॉलर अर्थात् 7 लाख करोड़ रुपए का है। भारत से अमेरिका निर्यात होने वाली वस्तुओं में विद्युत उपकरण, दवाईयां और रत्न आभूषण प्रमुख हैं। इसकी तुलना में भारत में अमेरिका से होने वाला कुल आयात 47 बिलियन डॉलर यानि 4 लाख करोड़ का है। डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार अमेरिका, आगामी पांच सालों में भारत को निर्यात 500 बिलियन डॉलर, अर्थात् 45 लाख करोड़ रुपए का करना चाहता है।

अमेरिका में भारत से आयात होने वाली वस्तुओं पर टैरिफ केवल 3 प्रतिशत का था, जिसे बढ़ा कर ट्रंप ने 50 प्रतिशत कर दिया था । अब इसी 50 प्रतिशत को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है, तो इसे भारत सरकार, बड़ी उपलब्धि बता रही है।

प्रधानमंत्री मोदी का भाजपा कार्यालय में इस उपलब्धि हेतु अभिनंदन भी किया गया। यह विचित्र बात है कि जो टैरिफ कुछ समय पहले तक 3 प्रतिशत था और उसे बढ़ाकर अब 18 प्रतिशत कर दिया गया है तो इसमें खुश होने की क्या बात है?

भारत में अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर 17 प्रतिशत का टैरिफ था जिसे अब घटाकर या तो समाप्त कर दिया जाएगा या इसे अत्यंत ही कम कर दिया जाएगा। भारत द्वारा प्रमुख रूप से सैन्य सामग्री, रेयर अर्थ मैटिरियल आदि अमेरिका से आयात किये जाते हैं। अब महंगी गाड़ियां, शराब आदि के साथ ही फल, प्रोसेस्ड फ्रूट ज्यूस, सोयाबीन तेल, मक्का, ज्वार के आयात पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। विभिन्न प्रकार के कृषि उत्पादों पर अमेरिकी सरकार द्वारा वहाँ के किसानों को बहुत बड़ी मात्रा में अनुदान दिया जाता है। इस कारण वहां के किसानों की उत्पादन लागत बहुत कम हो जाती है। यदि भारत में इनके आयात पर लगभग शून्य टैरिफ कर दिया तो विभिन्न प्रकार के फल, प्रोसेस्ड फूड, सोया तेल, मक्का आदि पर आदि बहुत बड़ी मात्रा में अमेरिका से आयात होगा। चूंकि यहां पर उसकी कीमत भारतीय उत्पाद के मुकाबले में कम होगी तो भारत के लोग वहां के उत्पादों को अधिक खरीदेंगे । इसके फल स्वरुप भारत में इन वस्तुओं के उत्पादकों को बहुत बड़ी मार पड़ेगी और वह कर्ज और बेरोजगारी में डूब जाएंगे। इसमें भारत के लोगों के लिए खुश होने की क्या बात है?

यह उल्लेखनीय है कि अब तक भारत से होने वाला निर्यात अमेरिका से होने वाले आयात की तुलना में लगभग दो गुना था । अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह कहा है कि अगले 5 वर्ष में अमेरिका द्वारा भारत को 500 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष का निर्यात किया जाएगा। वर्तमान में अमेरिका द्वारा भारत को लगभग 47 बिलियन डॉलर का निर्यात किया जाता है। इसका अर्थ है कि भारत में अमेरिका का आयात लगभग 10 गुना बढ़ जाएगा । जब सेव, सोया तेल और एथेनॉल बनाने के लिए मक्का अमेरिका से भारत में बहुत बड़ी मात्रा में आएगा तो यहां की सोया तेल बनाने वाली फैक्ट्रियां लगभग बंद होने की स्थिति में आ जाएंगी। परिणामस्वरूप, बेरोजगारी बहुत बढ़ने की संभावना रहेगी। साथ ही जब तेल फैक्ट्रियां बंद होंगी तो किसानों का सोयाबीन कौन खरीदेगा?

भारत-अमेरिका डील का विस्तृत विवरण तो मार्च के अंत में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर के बाद ही उपलब्ध हो पाएगा, किंतु अभी से जिस प्रकार का जश्न भारत सरकार द्वारा मनाया जा रहा है और इसे भारत की जीत के रूप में प्रचारित किया जा रहा है वह सही नहीं है।

इसे पारस्परिक डील का नाम दिया गया है। जब अमेरिका, टैरिफ 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर रहा है और भारत 17 प्रतिशत से शून्य कर रहा है तो यह अमेरिका से भारत में वस्तुएं बड़ी संख्या में लाने का काम करेगी । इसके कारण यहां बहुत समस्याएं उत्पन्न होंगी । पारस्परिक समझौते का सामान्य अर्थ होता है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के साथ बराबरी का व्यवहार करें। वर्तमान डील इस सिद्धांत के ठीक विपरीत है। कयास लगाए जा रहे हैं कि ऐसा भारत पर अमेरिका के दबाव के कारण हुआ है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि ट्रंप, मोदी या उनके मित्रों की किसी कमजोरी का लाभ उठा रहे हों। गौतम अदानी के विरुद्ध अमेरिकी न्यायालय द्वारा सम्मन एक वर्ष से अधिक समय तक भारत सरकार लेकर बैठी रही। दबाव का एक और कारण एप्सटीन फाइल में कई भारतीय अधिकारियों, मंत्रियों और अनिल अंबानी जैसे उद्योगपतियों के नाम आना भी संभावित हैं। यह भी जानकारी में आया है कि भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी और वर्तमान में भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने एपिस्टीन के निजी सहायक को भारत का वीसा देने के लिए सिफारिश की थी। एपस्टीन जैसे बाल यौन हिंसा में लिप्त अपराधी के साथ भारतीय मंत्रियों और उद्योगपतियों का नाम जुड़ना भारत सरकार के लिए अटपटी स्थिति उत्पन्न करता है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से जब रूस से तेल की खरीद बंद करने के लिए अमेरिका की शर्त के बारे में पूछा गया तो उन्होंने यह कहकर टाल दिया कि इस संबंध में कोई भी उत्तर विदेश मंत्रालय ही दे सकता है। यदि वास्तव में अमेरिका के दबाव में भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया तो इससे भारत को लगभग 1 लाख करोड रुपए साल का नुकसान होगा। न केवल यह, इससे यह भी सिद्ध होगा कि भारत की विदेश नीति के संबंध में निर्णय भी अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में लिए जा रहे हैं । भारत एक संप्रभु, स्वतंत्र देश है और इसकी विदेश नीति और आर्थिक नीति किसी अन्य देश के दबाव में संचालित हो, यह भारत के स्वाभिमान के विपरीत है। यह स्थिति प्रारंभ से लेकर अब तक सभी सरकारों द्वारा अपनाई गई विदेश नीति के अनुकूल नहीं है ।

भारत-अमेरिका डील का विस्तृत विवरण तो मार्च के अंत में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर के बाद ही उपलब्ध हो पाएगा, किंतु अभी से जिस प्रकार का जश्न भारत सरकार द्वारा मनाया जा रहा है और इसे भारत की जीत के रूप में प्रचारित किया जा रहा है वह सही नहीं है। यह डील के पक्ष में पक्ष में वातावरण बनाने का प्रयास प्रतीत हो रहा है। अमेरिका से जो खाद्य पदार्थ, तेल, फल आदि आयात होंगे, उससे यहाँ किसानों के हित पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ेगा ।

डील के बारे में स्पष्ट रूप से भारत सरकार द्वारा कुछ कहा नहीं जा रहा है। बस केवल यह कहा जा रहा है कि भारतीय किसानों के हितों की रक्षा की जाएगी। स्पष्ट रूप से किसी प्रश्न का उत्तर अभी तक नहीं मिल पा रहा है । संभव है, यदि भारत रूस से तेल खरीद रोकने पर राजी न हो तो डील ही न हो पाए।

अमेरिका की कृषि मंत्री ने इस डील को अमेरिकी किसानों के लिए भारत के 150 करोड़ लोगों का बाजार खोलने वाला बताया है। इससे भारत के किसानों में आशंका उत्पन्न हुई है और अभी से विभिन्न किसान संघ इसका विरोध करके आन्दोलनात्मक रूप अपना रहे हैं। सरकार के लिए आवश्यक है कि सभी आशंकाओं को निर्मूल सिद्ध करने के लिए इस ट्रेड डील के बारे में स्पष्ट रूप से पूरी पारदर्शिता के साथ नागरिकों को सारी बातें बताए। ऐसा नहीं किया जाता है तो लोगों के मन में आशंका बनी रहेगी कि यह डील अमेरिकी दबाव के समक्ष आत्म समर्पण करने का परिणाम है।

भारत-पाकिस्तान युद्ध विराम की एक तरफा घोषणा का श्रेय भी स्वयं लेने की बात अनेक बार ट्रंप ने कही थी, तब भी भारत के प्रधानमंत्री की ओर से इसका खंडन तक नहीं किया गया। भारत जैसे विशाल देश के लिए यह उचित नहीं प्रतीत होता है कि एक अमेरिकी राष्ट्रपति मनमाना बयान देते रहें और हम उसका प्रतिवाद तक न करें।

उपरोक्त विवरण से यह स्पष्ट है कि भारत – अमेरिका डील को ‘ट्रेड डील’ के बजाय ‘ट्रैप डील’ कहना अधिक उपयुक्त होगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

जाति की राजनीति: लोकतंत्र को भीतर से कमजोर करती सियासत

डॉ. नीरज रावत

समकालीन भारत एक ऐसे विरोधाभास से गुजर रहा है, जिसे नज़रअंदाज़ करना अब आसान नहीं रहा। एक ओर हमारा संविधान समानता, स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की बात करता है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक जीवन में जाति की मौजूदगी लगातार और मुखर होती जा रही है। राजनीति से लेकर प्रशासन और सामाजिक व्यवहार तक, जाति किसी न किसी रूप में निर्णायक भूमिका निभाती दिखती है। यह स्थिति केवल चिंता का विषय नहीं, बल्कि लोकतंत्र की सेहत पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

यह स्पष्ट है कि जाति भारतीय समाज की ऐतिहासिक सच्चाई रही है। इसे नकारना न तो संभव है और न ही व्यावहारिक। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या एक आधुनिक, संवैधानिक लोकतंत्र की राजनीति को हमेशा जातीय पहचान के इर्द-गिर्द ही संगठित होना चाहिए? क्या नागरिक की पहचान उसके अधिकारों, कर्तव्यों और क्षमताओं के बजाय जन्म आधारित श्रेणियों से तय होती रहेगी? स्वतंत्रता के बाद देश के नीति-निर्माताओं की परिकल्पना इससे अलग थी। संविधान ने जातिगत भेदभाव को समाप्त करने और ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए आरक्षण जैसे प्रावधान किए। इनका उद्देश्य समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाना था, न कि उन्हें स्थायी राजनीतिक पहचान में बदल देना। किंतु समय के साथ यह संतुलन बिगड़ता चला गया। सुधार के लिए बनाई गई व्यवस्थाएँ धीरे-धीरे सत्ता की राजनीति का हथियार बनती जा रही हैं। आज स्थिति यह है कि जाति की राजनीति सशक्तिकरण से अधिक चुनावी गणित का रूप ले चुकी है। विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार जैसे बुनियादी मुद्दे अक्सर हाशिये पर चले जाते हैं, जबकि जातीय समीकरण चुनावी विमर्श के केंद्र में आ जाते हैं। नीतियों और योग्यता पर बहस के बजाय, समाज को छोटे-छोटे खांचों में बाँटकर समर्थन जुटाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसका असर लोकतांत्रिक संवाद की गुणवत्ता पर साफ़ दिखाई देता है।

यह प्रभाव केवल चुनावों तक सीमित नहीं है। नौकरियों, पदोन्नतियों और संस्थागत निर्णयों में भी जाति का दबाव महसूस किया जाता है। परिणामस्वरूप योग्यता और दक्षता पर संदेह की स्थिति बनती है, जिससे शासन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। समाज में आपसी भरोसा कमजोर पड़ता है और नागरिक स्वयं को पहले किसी जाति का सदस्य और बाद में देश का नागरिक मानने लगते हैं। किसी भी आधुनिक राष्ट्र के लिए यह प्रवृत्ति घातक कही जा सकती है। विडंबना यह है कि जाति की राजनीति अंततः उन्हीं वर्गों को नुकसान पहुँचाती है, जिनके नाम पर इसे जायज़ ठहराया जाता है। लगातार ‘पीड़ित’ की पहचान में बाँधे जाने से आत्मनिर्भरता, उद्यम और प्रतिस्पर्धा की भावना कमजोर होती है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने चेताया था कि सामाजिक लोकतंत्र के बिना राजनीतिक लोकतंत्र टिक नहीं सकता। आज लगता है कि हम उस चेतावनी से सीखने के बजाय, सामाजिक विभाजनों को और गहरा कर रहे हैं।

राष्ट्रवाद का अर्थ यह नहीं कि समाज एकरूप हो जाए, बल्कि यह कि सभी नागरिक कुछ साझा संवैधानिक मूल्यों को स्वीकार करें। यदि राजनीति का आधार केवल जाति बनता चला गया, तो देश विभिन्न हित-समूहों का ढीला-ढाला गठजोड़ बनकर रह जाएगा। ऐसी स्थिति न तो लोकतंत्र को मजबूत करती है और न ही सामाजिक एकता को।

अब समय है गंभीर आत्ममंथन का। न्याय का अर्थ केवल संसाधनों का बँटवारा नहीं, बल्कि अवसर की समानता भी है। राजनीति को जाति की संकीर्ण भाषा से बाहर निकालकर संविधान, विकास और नागरिक अधिकारों की व्यापक समझ की ओर लौटना होगा। अन्यथा यह आशंका बनी रहेगी कि संविधान केवल एक आदर्श दस्तावेज़ बनकर रह जाएगा, जबकि उसकी आत्मा धीरे-धीरे कमजोर होती चली जाएगी।

–डॉ. नीरज रावत, लेखक जयपुर

पुस्तक समीक्षा काव्य संग्रह : “जिंदगी मुस्कुराती रहे”

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व उप निदेशक डॉ. लीलाधर दोचानियां गध और पध दोनों के विधाओं के सशक्त हस्तक्षार है। ग्रामीण परिवेश में पले बढ़े लीलाधर की कविताओं में साफगोई झलकती है। राजस्थान के विभिन्न जिलों में पद स्थापन के दौरान उन्होंने जो देखा, अनुभव किया वही अपनी कविताओं में परोसा। काव्य कृति के रूप में उनकी यह प्रथम पुस्तक है। ॲ

ापने कविता संग्रह में गागर में सागर भरने का प्रयास किया है। जीवन की सहज अनुभूतियों और संवेदनाओं को प्रकट करता कविता संग्रह समाज और जीवन की विसंगतियों को रेखांकित करता है। विविध बुराइयों को चित्रित करती कविताएं समाज को आईना दिखती है। प्रस्तुत काव्य संग्रह में नए पुराने विषयों को बड़ी सहजता और सरलता से समेटा है। कवि की गहन सोच शब्दों के माध्यम से प्रकट होती है। ऐसा लगता है कविताएं उनके मन की अकुलाहट और चिंतन का साक्षात परिणाम है।

निश्चय ही रचनाओं में कवि के मन और भावनाओं को सुंदर शब्दों में आकार लिया है। कविताओं में विविध विषयों को सरल शब्दों के माध्यम से संप्रेषित कर एक अनूठा प्रयोग किया है। जीवन के विभिन्न पहलुओं को अपनी रचनाओं के माध्यम से सजीव रूप में परोसा गया है। कविताएं अपने व्यक्तिगत अनुभवों की श्रंखला के रूप में आकार लेती हैं साथ ही सामाजिक सच्चाइयों का संचार भी करती हैं।

113 पृष्ठ के इस कविता संग्रह में 96 काव्य रचनाएं है। पुस्तक केवल कविताओं का ही नहीं बल्कि भावनाओं, संवेदनाओं और अभिव्यक्ति का भी सशक्त संग्रह है। सभी कविताएं ह्दय को छूने वाली है। आशा है कि यह कविता संग्रह पाठकों को पसंद आएगा।

समीक्षक कृति : जिंदगी मुस्कुराती रहे।
कवि : डॉ. लीलाधर दोचानियां ।
समीक्षक : बालमुकुंद ओझा

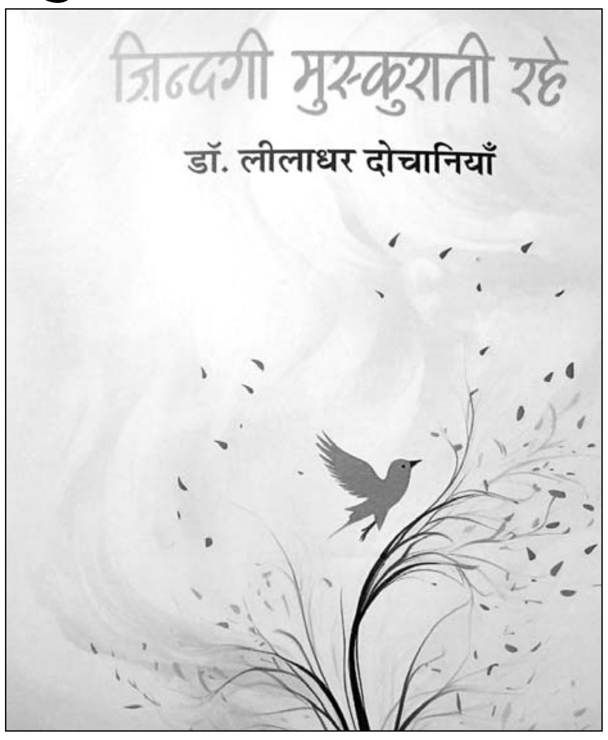

प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में गर्मी का दौर शुरु

बीकानेर, (निसं)। मौसम ने करवट ले ली है और दिन के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। बीकानेर शहर में अधिकतम तापमान अब बढ़कर 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके चलते दोपहर के समय गर्मी का असर महसूस होने लगा है। धूप तेज होने से लोग अब सर्द कपड़ों से राहत पा रहे हैं और दिन में हल्के कपड़ों का इस्तेमाल बढ़ने लगा है।

न्यूनतम तापमान में भी इजाफा दर्ज किया गया है। बीकानेर में रात का तापमान अब 15.3 डिग्री सेल्सियस हो गया है। सुबह और देर शाम हल्की ठंड तो बनी हुई है, लेकिन सर्दी का असर पहले के मुकाबले काफी कम हो गया है। मौसम में यह बदलाव पिछले दो दिनों से लगातार जारी है और तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान पूरे राजस्थान में मौसम शुष्क बना रहा। किसी भी जिले में बारिश या बादल छाने की स्थिति नहीं रही। राज्य में सबसे अधिक तापमान बाड़मेर में दर्ज किया गया, जहां पारा 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान पाली में 5.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अलवर : सड़क हादसे में लैपर्ड की मौत

वन विभाग टीम ने मृत लैपर्ड का पोस्टमार्टम करवाया।

अलवर, (निसं)। नारायणपुर क्षेत्र के नांगलहेड़ी गांव के पास सोमवार सुबह सड़क हादसे में एक लैपर्ड की मौत हो गई। यह हादसा नारायणपुर-कुशलगढ़ रोड पर उस समय हुआ, जब अज्ञात वाहन की चपेट में आने से लैपर्ड की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और लैपर्ड के शव को कब्जे में लिया। इसके बाद शव को तालवृक्ष रेंज कार्यालय लाया गया, जहां पशु चिकित्सकों की टीम की ओर से विधिवत पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद वन विभाग की ओर से लैपर्ड का अंतिम संस्कार किया गया। बताया गया कि लैपर्ड प्रथम श्रेणी का वन्यजीव है, जिसकी सुरक्षा को लेकर विशेष नियम लागू हैं।

वन विभाग के रेंजर त्रिलोक कुमावत ने बताया कि मृत लैपर्ड नर था और उसकी उम्र करीब ढाई वर्ष आंकी गई है। प्रारंभिक जांच में लैपर्ड की मौत का कारण सड़क दुर्घटना सामने आया है। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र वन्यजीवों की नियमित आवाजाही वाला इलाका है और तेज रफ्तार वाहन वन्यजीवों के लिए लगातार खतरा बनते जा रहे हैं।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार अनिल कुमार, वनपाल मनोज नागा, पशु चिकित्सक डॉ. रमेश चंद वर्मा, डॉ. मुकेश सैनी, डॉ. कमलेश सैनी सहित वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। वन अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि वन क्षेत्र से गुजरते समय सतर्कता बरतें और वाहनों की गति नियंत्रित रखें, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

“बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान” की शुरुआत

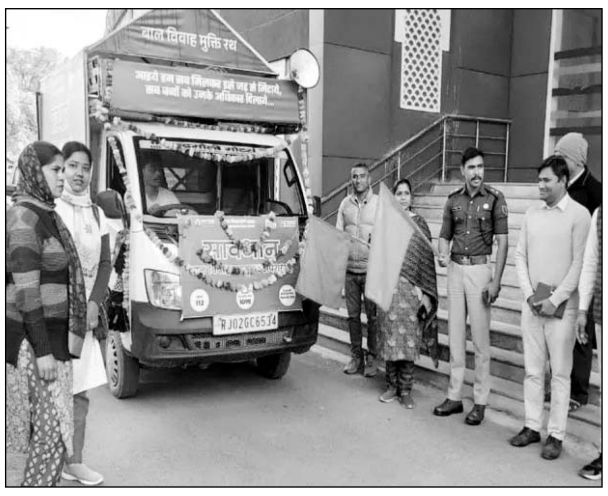

एडीएम बीना महावर एवं एडिशनल एसपी कामले शरण गोपीनाथ ने रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अलवर, (निसं)। जन जीवन कल्याण संस्थान की ओर से जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के सहयोग से 100 दिवसीय “बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान” के तहत जिले में जागरूकता गतिविधियों की शुरुआत की गई। अभियान के अंतर्गत सोमवार को मिनी सचिवालय से बाल विवाह मुक्त रथ को एडीएम बीना महावर एवं एडिशनल एसपी कामले शरण गोपीनाथ ने रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बाल अधिकारिता विभाग के अधिकारी ओ. रविकांत साहिल एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है, जो बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। इसे रोकने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। जन जीवन कल्याण संस्थान से जुड़े लोकेश ने जानकारी दी कि यह जागरूकता रथ जिले के विभिन्न गांवों और कस्बों में जाकर बाल विवाह के खिलाफ नारे लगाएगा और आमजन को बाल विवाह से होने वाले सामाजिक, शारीरिक और मानसिक नुकसान की जानकारी देगा। साथ ही लोगों को कानूनी प्रावधानों और दंड के बारे में भी अवगत कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों की सोच बदलना और बच्चों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम के दौरान मनीषा कुमारी, पुष्पेन्द्र सहित संस्थान के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 10 फरवरी, 2026

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र प्रातः 7:55 तक, धुव्र योग रात्रि 1:42 तक, कौलव करण प्रातः 7:28 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मकर, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-कुम्भ, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह आज अष्टमी तिथि में वृद्धि हुई है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:56 से 11:19 तक, लाभ-अमृत 11:19 से 2:04 तक, शुभ 3:26 से 4:48 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:11, सूर्यास्त 6:11

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह
घर-परिवार में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कन्या
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

पूर्व केंद्रीय मंत्री व किसान नेता राजेश पायलट की जयंती आज

अजमेर, (कासं)। शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष विजय जैन ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं किसान नेता राजेश पायलट की जयंती मंगलवार 10 फरवरी को प्रातः 11 बजे केसरगंज स्थित कांग्रेस कार्यालय में मनाई जाएगी। जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें राजेश पायलट के देश और किसानों के लिए किए गए योगदान पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसजन, पूर्व विधायक, प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, पूर्व पार्षद और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

मानव सेवा समिति ने जेएलएन अस्पताल में मृत रोगियों हेतु चादर भेंट की

अजमेर (कासं)। मानव सेवा समिति द्वारा जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के हृदय रोग विभाग में एक सराहनीय सेवा कार्य किया गया। समिति ने बाहर से उपचार के लिए लाए गए गंभीर रोगियों, जिनकी रास्ते में मृत्यु हो जाती है, उनके लिए चादर भेंट की। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अशोक छाजेड़ ने बताया कि हृदय रोग विभाग में काफी समय से इस उद्देश्य के लिए सफेद चादरों की कमी थी। चिकित्सक लोकेश अग्रवाल की प्रेरणा से मानव सेवा समिति ने जनसेवा के तहत यह कार्य किया है। कार्यक्रम में महामंत्री कमल गंगवाल, प्रवक्ता विजय पांड्या, मीना शर्मा, संजय कुमार जैन, ईसीजी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी चन्द्रमुखी चौधरी सहित अस्पताल का स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने समिति के इस सेवा भाव की सराहना की।

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम विद्यालय में शैक्षणिक सामग्री वितरित

अजमेर, (कासं)। महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम विद्यालय, नाका मदार, अजमेर में समाजसेवी शौर्य जयपाल और निबेदिता जैन के नेतृत्व में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को कॉपियां, कलम-पेंसिल सेट, स्केच रंग सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम विद्यालय की संस्था प्रधान दीप्ति पंचोली की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसका उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को आवश्यक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। इस अवसर पर शौर्य जयपाल ने कहा कि शिक्षा समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव है और बालिका शिक्षा को प्राथमिकता देना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में इंदिरा सुनिया, मनीष सेन, चंद्रेश सुनिया सहित विद्यालय का शिक्षक-शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने इस पहल को प्रेरणादायक बताया।

विधायक ने किया वार्ड 23 में 60 लाख रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने सोमवार को वार्ड संख्या 23 में लगभग 60 लाख रुपये की लागत से होने वाले दो प्रमुख सीसी सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया। इनमें 30 लाख रुपये की लागत से बालिका विद्यालय के पास आंगनबाड़ी के सामने वाली गली से बच्चों के पुराने श्मशान होते हुए अधिवक्ता बालकिशन सैनी के मकान तक सीसी सड़क निर्माण तथा 30 लाख रुपये की लागत से राजेंद्र के मकान से रामबाग चौराहे तक सीसी सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं। इस मौके पर विधायक अनिता भदेल ने क्षेत्रवासियों से संवाद करते हुए बताया कि पूर्व में इन सड़कों का निर्माण कराया गया था, लेकिन समय के साथ-साथ ये जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गई थीं। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों द्वारा यह सुझाव दिया गया था कि पेवर ब्लॉक के स्थान पर सीसी सड़क बनाई जाए, ताकि बरसात के मौसम में बार-बार क्षति न हो। इसी मांग को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से सीसी सड़क निर्माण का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि ये सड़कें मुख्य मार्गों को जोड़ने वाली हैं और इन पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। नई सीसी सड़कों के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी। विधायक भदेल ने बताया कि चुनाव के दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से इन सड़कों के निर्माण का वादा किया था। आवश्यक स्वीकृतियां दिलाकर अब इन कार्यों का शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्रवासियों को बेहतर और टिकाऊ सड़क सुविधा उपलब्ध होगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह जादौन, आर्य मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह जेदिया, मंडल महामंत्री गोविन्दराम, विनोद साधवानी, मोहन लालवानी, हेमंत सुनारीवाल, अनुज चौहान, सीताराम शेरा, विजय गोयर, अटल शर्मा, गोरधन, रोहित तम्बोल, लोकेश लॉयड, पारसनाथ, सुरेश खोरवाल, संजय नाथानी, ओमप्रकाश बाकोलिया, घनश्याम खत्री, संदीप धारीवाल, हेमंत जावा सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विधायक भदेल ने विधिवत पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया।

■ क्षेत्र के कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों द्वारा यह सुझाव दिया गया था कि पेवर ब्लॉक के स्थान पर सीसी सड़क बनाई जाए, ताकि बरसात के मौसम में बार-बार क्षति न हो

NAME CHANGE

I Laxmi Mother of Army No. 15804758W, GNR(DMT), Chanchalkar Ajay Chokhe Residing at Vill & Po:- Gadegaon, Teh:- Warud, Distt:- Amravati, Maharashtra, Pin:-444906 have change my name from Laxmi to Lakshmi Chokhe Chanchalkar vide affidavit no. CA 331674 dt 07/02/2026 at court campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Sabita Debi, Wife of Army No.14872327M, NK(MT), Ajay Kumar Residing at Holupura, Isai Gopalpur, Mainpuri, U.P. 205263 have change my name from Sabita Debi to Sabita Kumari, vide affidavit no CA 924920 dt 09/02/2026 at court campus Nasirabad

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 2155 | जाहिर आम सूचना | दिनांक-06-2-26

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 1-ई-25 किशनगढ़ क्षेत्रफल 120.00 व.मी. मूल आवंटी श्री पंकज गंगवाल पुत्र श्री सुरेश चन्द्र गंगवाल को आंवटित कर दिनांक 02.04.2009 को उक्त आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। आवंटी श्री पंकज गंगवाल पुत्र श्री सुरेश चन्द्र गंगवाल द्वारा दिनांक 27.09.2010 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात श्री पंकज गंगवाल पुत्र श्री सुरेश चन्द्र गंगवाल द्वारा आवास का बेचान श्री किशोर तिलोकानी पुत्र श्री गोविन्दराम एवं श्री मुकेश तिलोकानी पुत्र श्री किशोर तिलोकानी को दिनांक 27.09.2010 को कर दिया गया। मण्डल द्वारा दिनांक 28.10.2010 को श्री किशोर तिलोकानी व श्री मुकेश तिलोकानी के पक्ष में नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्री किशोर तिलोकानी व श्री मुकेश तिलोकानी द्वारा आवास का बेचान श्रीमती रजनी अग्रवाल पत्नि श्री भागीरथ अग्रवाल को दिनांक 14.03.2012 को कर दिया गया। श्रीमती रजनी अग्रवाल पत्नि श्री भागीरथ अग्रवाल द्वारा आवास का बेचान श्री मुकेश कुमार सिंघल एवं श्री अरविन्द कुमार सिंघल पुत्रगण स्व. श्री हनुमान प्रसाद सिंघल को दिनांक 27.12.2012 को कर दिया गया। मण्डल द्वारा श्री मुकेश कुमार सिंघल एवं श्री अरविन्द कुमार सिंघल के पक्ष में दिनांक 18.06.2013 को नामान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्री मुकेश कुमार सिंघल की मृत्यु दिनांक 09.02.2024 एवं उनकी पत्नि श्रीमती अंजू देवी पत्नि श्री मुकेश कुमार सिंघल की मृत्यु दिनांक 14.11.2021 को हो जाने के कारण उनकी पुत्री सुश्री मेघा अग्रवाल पुत्री स्व. श्री मुकेश कुमार सिंघल द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास 1-ई-25, किशनगढ़ में श्री मुकेश कुमार सिंघल का 1/2 भाग स्वयं के पक्ष में मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। सुश्री मेघा अग्रवाल पुत्री स्व. श्री मुकेश कुमार सिंघल के पक्ष में सुश्री सिमरन अग्रवाल पुत्री स्व. श्री मुकेश कुमार सिंघल एवं श्री पीयूष पुत्र स्व. श्री मुकेश अग्रवाल के पक्ष में रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब सुश्री मेघा अग्रवाल पुत्री स्व. श्री मुकेश कुमार सिंघल ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर 1/2 भाग स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। सुश्री मेघा अग्रवाल पुत्री स्व. श्री मुकेश कुमार सिंघल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपतित हो तो इस जाहिर आम सूचना की, विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पर बाद कोई आपति स्वीकार नहीं होगी नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड- अजमेर

न्यायालय तहसीलदार केकड़ी, जिला अजमेर

क्रमांक/भू.अ./2025/15 | आपति आमंत्रण सूचना | दिनांक-05-02-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सांवरलाल पुत्र श्री मगना जाति गुर्जर निवासी भीमडावास तहसील केकड़ी जिला अजमेर ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर न्यायालय श्रीमान अतिरिक्त जिला कलक्टर महोदय केकड़ी के निर्णय दिनांक 26.06.2025 की पालना में ग्राम भीमडावास के खाता सं. 234 किता 15 रकबा 8.74 है. व खाता सं. 21 किता 01 रकबा 1.09 है. भूमि में नोसी पत्नि हेमराज जाति गुर्जर निवासी भीमडावास द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र दिनांक 13.06.2024 अनुसार प्रार्थी के नाम नामान्तरण खोलने बाबत निवेदन किया है। ग्राम भीमडावास की वर्तमान जमाबन्दी के खाता सं. 234 किता 15 रकबा 8.74 है. व खात सं. 21 किता 01 रकबा 1.09 है. भूमि में नोसी पत्नि हेमराज निवासी भीमडावास द्वारा उक्त खातों में अपना सम्पूर्ण हिस्सा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र दिनांक 13.06.2024 से भैरूलाल पुत्र हेमराज व सांवरलाल पुत्र मगन के पक्ष में रिलीज किया था जिसका नामानतरा सं. 1588 दर्ज होकर खारिज हो चुका है। जिसकी अपील न्यायालय श्रीमान अतिरिक्त जिला कलक्टर महोदय केकड़ी में की गई। न्यायालय के प्रकरण सं. 155/2024 उनवान सांवरलाल बनाम नोसी देवी व अन्य में निर्णय दिनांक 26.06.2025 से नामान्तरण सं. 1588 दिनांक 25.07.2024 को खारिज किये जाने के आदेश को निरस्त किया जाकर अपीलान्ट/पक्षरान को साक्ष्य एवं सुनवाई का समुचित प्रदान करते हुए दस्तावेजी साक्ष्य का भली भांति अवलोकन व अध्ययन कर नये सिरे से निर्णय पारित करने का निर्णय हुआ। उक्त खाता नम्बरान पर रजिस्टर्ड हकत्याग गृहिता के पक्ष में नामान्तरण खोले जाने बाबत प्रकरण संख्या 06/2025 राजस्थान भू0रा0 अधिनियम 1956 की धारा 135 (2) के अन्तर्गत इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः पंजीकृत रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र के आधार पर श्री सांवरलाल पुत्र श्री मगना व श्री भैरूलाल पुत्र हेमराज जाति गुर्जर निवासी भीमडावास तह. केकड़ी के पक्ष में नामान्तरण किये जाने में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो आपतित कारण/विवरण सहित इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर स्वयं/प्लीडर के उपस्थित होकर अधोहस्ताक्षतरकर्ता के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद गुजरने पर कोई आपत्ति नहीं ली जाएगी तथा विधि सम्मत आदेश पारित कर दिये जायेंगे। सूचित रहे। -तहसीलदार केकड़ी

अग्रवाल पंचायत गंज धड़ा समिति की कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

■ संस्था की कार्यकारिणी का विस्तार और विभिन्न समितियों का गठन

अजमेर,(कासं)। अग्रवाल पंचायत गंज धड़ा समिति अजमेर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक संस्था अध्यक्ष कैलाशचंद गोयल की अध्यक्षता में अग्रसेन भवन, पथिक मार्ग, शास्त्री नगर अजमेर में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यकारिणी का विस्तार किया गया तथा विभिन्न समितियों का गठन कर आगामी कार्ययोजना तय की गई। बैठक का शुभारंभ अग्रसेन भगवान एवं लक्ष्मीकांत भगवान के जयकारों के साथ किया गया। संस्था सचिव प्रदीप बंसल ने गत कार्यकारिणी बैठक की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिसकी सर्वसम्मति से पुष्टि की गई। इसके पश्चात नवीन पदाधिकारियों को पूर्व पदाधिकारियों द्वारा कार्यभार सौंपा गया। अध्यक्ष कैलाशचंद गोयल, सचिव प्रदीप बंसल एवं कोषाध्यक्ष अनिल कुमार मित्तल ने निर्विरोध निर्वाचित किए जाने पर सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया तथा संस्था की गतिविधियों में पूर्ण सहयोग का आव्हान किया। बैठक में रिक्त पदों पर सर्वसम्मति से शैलेंद्र अग्रवाल को उपाध्यक्ष तथा बालकिशन मित्तल को सहसचिव मनोनीत किया गया। विशिष्ट आमंत्रित सदस्यों के रूप में प्रदीप अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल एवं रमेशचंद मालवीय को शामिल किया गया। विभिन्न समितियों का गठन करते हुए मंदिर प्रबंधन समिति में राजेंद्र प्रसाद मित्तल, ओम प्रकाश गर्ग गोटा वाले एवं विनोद अग्रवाल, भवन प्रबंधन समिति में अनिल कुमार गर्ग, दिनेश गोयल एवं हरिकिशन कोठारी तथा संविधान संशोधन समिति में राजेंद्र प्रसाद मित्तल, शैलेंद्र अग्रवाल एवं प्रवीण अग्रवाल को मनोनीत किया गया। बैठक में संस्था के भावी कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा कर कार्ययोजना तैयार की गई। संचालन सचिव प्रदीप बंसल ने किया तथा अंत में अध्यक्ष कैलाशचंद गोयल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

आम सूचना

मेरे दादाजी स्व. हीरा पुत्र बालू जाति जाट निवासी ग्राम दादिया की मृत्यु दिनांक 10.02.2005 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम दादिया में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत दादिया में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे दादाजी स्व. हीरा जाट का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अराई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो मय दस्तावेज के साथ 7 दिन में अराई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

– प्रार्थी- गोपाल पुत्र स्व. श्रवण जाट निवासी ग्राम दादिया, तहसील अराई, अजमेर

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को यह सूचित किया जा रहा है की मै कालू काठात पुत्र श्री खंगार काठात जाति मेहरात निवासी नूंद्री मेन्द्रातान तहसील ब्यावर ने माताजी अहमदी काठात / खंगार जी निवासी नुन्द्री मेन्द्रातान जिनका निधन 4 अप्रेल 1983 को नुन्द्री मेन्द्रातान में हो गया था। जिनका मृत्यू का रजिस्ट्रार संबंधित कोई भी पंजीयन नहीं करवाया गया था। चूँकि अब मै यह पंजीयन सभी कागज़ी कार्यवाही के साथ संबंधित विभाग में करवा रहा हूँ किसी भी आम या ख़ास को आपत्ति हो तो सात दिवस के भीतर सूचित करावे।

भवदीय- कालू काठात, मो. 9982925855

NAME CHANGE

I, Army No. 14644700F, Hav, Aruna C V Residing at Vill:- Yedoor, Po:-Hanagal, Teh:- Somwarpet, Distt:- Kodagu, Karnataka, Pin:- 571236 have change my mother's name from Chinnamma H J to Chinnamma vide affidavit no. CA 331686 dt 08/02/2026 at court campus Nasirabad

शहरवासियों में दिखा जबरदस्त उत्साह

भीलवाड़ा (निसं)। भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी की खेल विकास योजना के अंतर्गत नन्हें खिलाड़ियों श्री गुरनानी के जन्मदिन के उपलक्ष में कन्या महाविद्यालय के खेल मैदान पर आयोजित हूला हूप (रिंग घुमाओ) प्रतियोगिता उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में शहरभर के करीब 200 बच्चों के साथ अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया।

खेलेंगे तो खिलेंगे पहल के तहत योजना के 6 संस्करों में खिलाड़ियों सहित बड़ी संख्या में शहरवासियों ने दोपहर 1:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक चले इस आयोजन का आनंद उठाया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक कार्यालय से बाबूलाल टांक, दिलीप सोनी, दिनेश सुथार, पृथ्वीराज सिंह चौहान एवं खेल विकास योजना संयोजक विवेक निमावत द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयोजन सचिव दिनेश सोलंकी और मनीषा सोलंकी ने बताया कि समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में केन ऑक्सफोर्ड स्कूल के निदेशक गौरव तोलम्बिया उपस्थित रहे। उन्होंने अभिभावकों के साथ मिलकर विजेता खिलाड़ियों को मेडल, सर्टिफिकेट एवं ट्रॉफियां प्रदान कीं।

विद्यालय निरीक्षण के दौरान अव्यवस्थाओं पर विधायक भदेल ने जताई नाराजगी

■ अनिता भदेल ने राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पहाड़गंज का औचक निरीक्षण किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने सोमवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पहाड़गंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर, कक्षा-कक्षों एवं अन्य व्यवस्थाओं में पाई गई कमियों पर उन्होंने विद्यालय प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त की। विधायक भदेल ने निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताते हुए कहा कि कक्षा-कक्षों की नियमित सफाई नहीं हो रही है। कंप्यूटर प्रयोगशाला में कंप्यूटर मॉनीटर और उपकरणों पर धूल-मिट्टी जमी हुई पाई गई। उन्होंने प्रधानाचार्य एवं विद्यालय स्टाफ को निर्देश दिए कि परिसर एवं कक्षा-कक्षों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए, तथा कंप्यूटर प्रयोगशाला को स्वच्छ रखा जाए, ताकि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण कंप्यूटर शिक्षा मिल सके। उन्होंने विद्यालय की पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की और पानी की टंकियों की नियमित सफाई कराने के निर्देश दिए, जिससे छात्राओं को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके। विधायक भदेल ने कहा कि सरकार द्वारा विद्यालयों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जाता है। इसके बावजूद यदि अव्यवस्थाएं बनी रहती हैं तो यह गंभीर विषय है। उन्होंने निर्देश दिए कि उपलब्ध बजट का सही उपयोग विद्यालय के विकास, रख-रखाव एवं स्वच्छता पर किया जाए।

कार्यालय चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुचेरा नागौर

क्रमांक: 72 | दिनांक: 09-02-2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय की अनुपयोगी/नकारा सामान पुस्तक मूल्य राशि-198277/- जहां जैसी स्थिति में है की निलामी कार्यालय परिसर में दिनांक 17.02.2026 को दोपहर 3.00 बजे उपस्थित कमेटी के समक्ष की जावेगी। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय पर निलामी स्तर पर निर्धारित धरोहर राशि रू. 500/- जमा करवाकर निलामी की कार्यवाही में भाग ले सकते हैं। निलामी की शर्तें व जानकारी के कार्यालय समय में सम्पर्क कर सकते हैं।

- प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सीएचसी कुचेरा

-चिकित्सा अधिकारी प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुचेरा, नागौर

कार्यालय ग्राम पंचायत गोठियाना पंचायत समिति अरांई, अजमेर

क्रमांक: ग्रा.प.गोठियाना/ई-निविदा/2025-26/32 | दिनांक: 09-02-2026

ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्या 04/2025-26

कार्यकारी संस्था ग्राम पंचायत गोठियाना पंचायत समिति अरांई में योजना का नाम राज्य वित्त आयोग षष्ठम के योजनान्तर्गत ग्राम गोठियाना में महेन्द्र सिंह जी के मकान से गजेन्द्र सिंह जी के मकान की ओर सीसी रोड मय नाली निर्माण कार्य हेतु ई-प्रोक्यूरमेंट पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 10.02.2026 को प्रात: 9.30 बजे से दिनांक 16.02.2026 को सायं 6.00 बजे तक ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेबसाईट http://www.rproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। उपरोक्त निविदाएं वेब पोर्टल http:www.sppp.rajasthan.gov.in पर विस्तृत विवरण देखा जा सकता है। निविदाएं निविदा खोलने की दिनांक को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोली जायेगी।

NIB code- ZAJ2526A1865 UBN is- ZAJ2526WSRC02000

प्रशासक, ग्राम पंचायत गोठियाना पंचायत समिति अरांई, अजमेर

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत गोठियाना पंचायत समिति अरांई, अजमेर

शिव मंदिर में हल्दी रस्म और पीले चावल की परंपरा निभाई गई

अजमेर, (कासं)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व को लेकर पूरे शहर में उत्सव का माहौल बना हुआ है। शिव भक्त जोर-शोर से तैयारियों में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में अजमेर शहर के वैशाली नगर स्थित सेंट स्टीफन शिव मंदिर में धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला की शुरुआत हो चुकी है।

इसी क्रम में आज महिलाओं द्वारा प्रथम पूज्य श्रीगणेश जी भगवान को पीले चावल के साथ निमंत्रण दिया है। मंदिर परिसर में परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार भोले पार्वती और भगवान भोलेनाथ को पीले चावल अर्पित किए गए। यह रस्म भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह से जुड़ी मान्यताओं का प्रतीक मानी जाती है। हल्दी की रस्म में महिलाओं ने किया नृत्य: इस अवसर पर मंदिर में हल्दी की रस्म भी बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुई। महिलाओं ने पारंपरिक गीतों पर नृत्य किया और पूरे उत्साह के साथ हल्दी का रस्म निभाई।

मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल और उल्लास से गूंज उठा। महिलाओं ने दो आगामी धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी: कार्यक्रम में शामिल महिलाओं ने बताया कि हल्दी की रस्म के बाद विभिन्न धार्मिक रस्में अदा की जाएंगी। ये सभी आयोजन महाशिवरात्रि के पावन पर्व तक लगातार जारी रहेंगे।

परीक्षा सामग्री वाहनों को कुलगुरु ने दिखाई हरी झंडी

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में सत्र 2025-26 की स्नातक एवं स्नातकोत्तर वार्षिक परीक्षाओं के सफल आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विश्वविद्यालय की परीक्षाएं 11 फरवरी 2026 से प्रारंभ होंगी। इसी क्रम में 9 फरवरी 2026 को प्रातः गणेश पूजन एवं पूजा-अर्चना के पश्चात कुलगुरु सुरेश कुमार अग्रवाल ने विश्वविद्यालय परिसर से प्रश्नपत्र एवं परीक्षा सामग्री ले जाने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन अजमेर संभाग के विभिन्न परीक्षा केंद्रों नागौर, टोंक, भीलवाड़ा, ब्यावर, कुचामन-डीडवाना और अजमेर के लिए भेजे गए हैं।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटड़ा बैम्बे योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 31 क्षेत्रफल 40 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्री श्यामलाल उतरेजा पुत्र श्री जयदयाल उतरेजा निवासी हरिभाऊ उपाध्याय नगर (विस्तार) की मृत्यु दिनांक 11/04/2021 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत/अंपजीकृत दिनांक 06/04/2021) सलंग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामें के आधार पर नामान्तरण हेतु श्री राकेश उतरेजा पुत्र स्व. श्री श्यामलाल उतरेजा निवासी हरिभाऊ उपाध्याय नगर (विस्तार) अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई कार्यवाही स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की कोटड़ा गैर योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 41 व खसरा संख्या 1070-1071 क्षेत्रफल 329.77 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्री शिवदत्त द्विवेदी पुत्र श्री बिहारी लाल जी शर्मा निवासी म.नं. 41 दयानन्द कॉलोनी, रामनगर, अजमरे की मृत्यु दिनांक 10.11.2022 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः सुश्री शंकुल द्विवेदी पुत्री श्री शिवदत्त द्विवेदी निवासी सी-122, दयानन्द कॉलेनी, रामनगर, पंचौली चौराहा, अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्री शिवदत्त द्विवेदी द्वारा भूखण्ड संख्या 41 का नगर सुधार न्यास भू-विभाजन प्लान द्वारा क्रमांक 1180 दिनांक 02.06.2010 द्वारा भूखण्ड संख्या 41 ए व 41 बी में भू-विभाजन करवा लिया गया था। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई कार्यवाही स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की पंचशील नगर योजना के व्यवसायिक भूखण्ड संख्या सी-197 क्षेत्रफल 324.00 वर्ग मीटर के आवंटी/अन्तरिति श्री राजेश कुमार जैन पुत्र श्री समुद्र सिंह जैन की मृत्यु दिनांक 22/12/2025 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. श्रीमती साधना जैन धर्मपत्नी स्व. श्री राजेश कुमार जैन 2. श्री चिराग जैन सुपुत्र स्व. श्री राजेश कुमार जैन व 3. सुश्री छवि जैन सुपुत्री स्व. श्री राजेश कुमार जैन निवासीगण ए-4 छतरी योजना, वैशाली नगर, अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्रीमती साधना जैन धर्मपत्नी स्व. श्री राजेश कुमार जैन निवासी ए-4 छतरी योजना, वैशाली नगर, अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 16.01.2026 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई कार्यवाही स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक :नियमन/25-26/2022 | आम सूचना | दिनांक-06.02.26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री अमीन मोहम्मद पुत्र श्री हरि मेरात निवासी रास बाबरा रोड, फतेहगए सल्ला तहसील ब्यावर ने राजस्व ग्राम शोभापुरा के खसरा नं. 73 व 76 में स्थित जानकी वल्लभ कॉलोनी के भूखण्ड संख्या 01 कुल क्षेत्रफल 283.47 वर्गगज भूमि का वाणिज्यक प्रयोजनार्थ भू उपयोग परिवर्तन हेतु आवेदन किया गया है। अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के भीतर-भीतर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष लिखित में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा बाद मियाद आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

सीमाऐं (साईट प्लान के अनुसार)

पूर्व- रोड 120 फीट | पश्चिम- प्लाट नं. 24 व 25

उत्तर- प्लाट नं. 02 | दक्षिण- अन्य की भूमि

- आयुक्त नगर परिषद, ब्यावर

'पशुपालकों के अधिकारों की आवाज बने रामचन्द्र चौधरी'

■ बजट 2026-27 में ठोस निर्णय की मांग को लेकर मुख्यमंत्री से नेता प्रतिपक्ष तक को पत्र

अजमेर,(कासं)। राजस्थान में पशुपालन एवं दुग्ध सहकारी संस्थाओं से जुड़े लाखों पशुपालकों की समस्याओं को लेकर अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचन्द्र चौधरी ने एक बार फिर मजबूती से अपनी आवाज उठाई है। उन्होंने आगामी राज्य बजट 2026-27 में पशुपालकों के हित में ठोस निर्णय की मांग करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को विस्तृत पत्र भेजा है।

रामचन्द्र चौधरी ने पत्र में उल्लेख किया कि राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ पशुपालन है। इसके बावजूद पशुपालकों एवं दुग्ध सहकारी संस्थाओं की समस्याओं को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी कई बार पत्र, ज्ञापन एवं प्रतिवेदन दिए जाने के बावजूद अधिकांश मांगें आज भी लंबित हैं, जिससे पशुपालकों में निराशा व्याप्त है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 13 हजार दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियां, 23 जिला दुग्ध संघ तथा राजस्थान दुग्ध संघ वर्तमान में गंभीर आर्थिक एवं प्रशासनिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। मिड-डे मील योजना एवं अमृत आहार योजना के अंतर्गत सप्लाई किए गए दुग्ध पाउडर की लगभग 300 करोड़ रुपये की बकाया राशि अब तक नहीं मिलने से सहकारी संस्थाओं की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है।

रामचन्द्र चौधरी ने मांग की कि डेयरी एवं पशुपालन को कृषि में सम्मिलित किया जाए, जिससे पशुपालकों को किसानों के समान आपदा प्रबंधन एवं अन्य योजनाओं का लाभ मिल सके। साथ ही उन्होंने जिला दुग्ध संघों एवं राजस्थान दुग्ध संघ में 2500 रिक्त पदों पर भर्ती, राजस्थान डेयरी सेवा के गठन, बेसहारा पशुओं की समस्या के स्थायी समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड से 900 रुपये प्रति डोज की दर से मंगवाया जा रहा सेक्स-सॉर्टेड सीमेन जिला संघों पर भारी आर्थिक बोझ डाल रहा है। उन्होंने बस्सी फार्म से पंचायत स्तर तक निःशुल्क सेक्स-सॉर्टेड सीमेन उपलब्ध कराने की मांग की। इसके अलावा दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्रों के आधुनिकीकरण के लिए 5000 करोड़ रुपये का प्रावधान तथा पंचायत स्तर पर पशु चिकित्सालयों में चिकित्सक एवं स्टाफ की शीघ्र भर्ती की मांग भी रखी।

SRG HOUSING FINANCE LIMITED

एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

CIN: L65922RJ1999PLC015440

321, एस.एम. लोढ़ा कॉम्प्लेक्स, शास्त्री सर्किल के पास, उदयपुर - 313001 (राजस्थान)

दूरभाष : 0294-2412609, ईमेल: info@srghousing.com, वेबसाइट: www.srghousing.com

अचल संपत्ति की नीलामी-बिक्री के लिए सार्वजनिक सूचना

(सरफेसी अधिनियम के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियमों के नियम 8 (6) एवं 9 (1) के परंतुक के साथ पठित)

एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (''एसआरजीएचएफएल'' के रूप में संदर्भित), 321, एसएम लोढ़ा कॉम्प्लेक्स, शास्त्री सर्कल के पास, उदयपुर-313001 (राजस्थान) के अधिकृत अधिकारी, वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('अधिनियम' के रूप में संदर्भित) के तहत और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियमों के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए, वर्ष 2002 में अधिनियम की धारा 13 (2) के अंतर्गत मांग नोटिस जारी किया गया था जिसमें उक्त नोटिस प्राप्त होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान की तारीख तक संविदात्मक दर पर भविष्य के ब्याज के साथ-साथ सभी लागतों, प्रभारों और आनुषंगिक खर्चों आदि के साथ नीचे देय राशि की मांग की गई थी।

आम जनता को नोटिस दिया जाता है और विशेष रूप से उधारकर्ता/बंधककर्ता और गारंटर को नोटिस दिया जाता है, जो निर्दिष्ट अवधि के भीतर उक्त राशि का भुगतान करने में विफल रहते हैं, प्राधिकृत अधिकारी ने उक्त नियमों के साथ पढ़े गए अधिनियम की धारा 13 (4) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भौतिक कब्जे को अपने कब्जे में ले लिया है, जिसे नीलामी के माध्यम से जिसे ''जैसा है जहां है'' के आधार पर, ''जैसा है'' के आधार पर और ''जो कुछ भी है'' के आधार पर बेचा जाना है, नियमों के नियम 8 और 9 के तहत वित्तीय संस्थाओं के देय की वसूली के लिए नीलामी अनुसूची के अनुसार निविदाएं/बोलियां आमंत्रित करने के अलावा ''और कोई सहारा आधार नहीं है''।

नीलामी का कार्यक्रम

संपत्ति का विवरण	भूमि और भवन का न्यायसंगत बंधक, साथ ही निर्मित भवनों और संरचनाओं के साथ-साथ पृथ्वी से जुड़ी फिक्स्चर और फिटिंग और पृथ्वी से जुड़ी किसी भी चीज और उस पर बनाई गई संपत्ति जिसमें बंधक रखी संपत्ति जो की श्री गोरीशंकर ढोली पिता श्री शोभा लाल ढोली की होकर, पट्टा नं.-5814, प्लाट नं.-12, गाँव-भीलो की झोपडिया, पंचायत समिति-आसींद, तहसील-आसींद, जिला-भीलवाडा (राजस्थान) में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल - 1095.00 वर्गफीट है। जिसकी चतुसिमा निम्न है- पूर्व-प्लाट नं.-11, पश्चिम- कृषि भूमि, उत्तर-प्लाट नं.- 01, दक्षिण-आम रास्ता
ज्ञात भार (यदि कोई हो)	सुरक्षित लेनदार को ज्ञात नहीं
आरक्षित मूल्य (₹ में)	₹ 6,40,000/- (रुपये छः लाख चालीस हजार मात्र)
EARNEST MONEY जमा हेतु (₹) डी.डी. के नाम से एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, उदयपुर (राजस्थान) में जमा करवाने बाबत राशि एवं दिनांक।	₹ 64,000/- (रुपये चौंसठ हजार मात्र) (EMD AMOUNT) अंतिम जमा तिथि- मार्च 11, 2026 शाम 4.00 बजे से पहले
बोली वृद्धिशील राशि	₹ 10,000/- शब्दों में (रुपये दस हज़ार मात्र)
बोली लगाने की तारीख, समय और स्थान	मार्च 14, 2026 सुबह 11:00 बजे से दिन 02:00 बजे तक एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, 1ST फ्लोर, सैंड काम्प्लेक्स PNB बैंक के उपर, होटल एंड चंद्रा के पास, बस स्टैंड, बिजयनगर (राजस्थान)-305624
संपत्तियों का निरीक्षण	प्राधिकृत अधिकारी की पूर्व नियुक्ति के अनुसार (किसी भी समय सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे के बीच)
असफल बोलीदाताओं की ईएमडी की वापसी	नीलामी की तारीख से 15 कार्य दिवसों के भीतर
पुष्टि किए गए सफल बोलीदाताओं के लिए स्वीकृत उच्चतम बोली के 25% के भुगतान की अंतिम तिथि (ईएमडी सहित)	बोली की पुष्टि की तारीख से अगले कार्य दिवस तक भुगतान किया जाना चाहिए।
उच्चतम बोली के शेष 75% के भुगतान की अंतिम तिथि	बोली की तारीख से 15 दिनों के भीतर पुष्टीकरण

ऋण विवरण

पार्टी का विवरण	HLR00000000017390 1.श्री गोरीशंकर ढोली पिता श्री शोभा लाल ढोली 2.श्रीमती संतोक देवी ढोली पत्नी शोभा लाल ढोली 3.श्री कैलाश कँवर पिता श्री कँवर लाल ढोली
अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस की तारीख	23-10-2024
अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस की राशि	मांग राशि मांग पत्र अनुसार ₹ 4,88,110/- रुपये चार लाख अठासी हज़ार एक सौ दस मात्र दिनांक अक्टूबर 12, 2024 तक एवं अक्टूबर 13, 2024 से आगे के ब्याज व खर्चे।
भौतिक कब्जे की तारीख	28-01-2026
कब्जे की सूचना के प्रकाशन की तिथि	31-01-2026
बकाया देय राशि (₹)	मांग राशि मांग पत्र अनुसार ₹ 6,99,735 /- रुपये छः लाख निन्यानवे हज़ार सात सौ पेंतीस मात्र दिनांक फरवरी 09, 2026 तक एवं फरवरी 10, 2026 से आगे के ब्याज व खर्चे।

1. संपत्तियों के निरीक्षण के लिए, इच्छुक बोलीदाता सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक कार्यालय समय के दौरान एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, 1ST फ्लोर, सैंड काम्प्लेक्स PNB बैंक के उपर, होटल एंड चंद्रा के पास, बस स्टैंड, बिजयनगर (राजस्थान)-305624 पर आधिकारिक श्री दीपेन्द्र राज राजपुरोहित (मोबाइल- +91-7023873484) से संपर्क कर सकते हैं।
2. बिक्री वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित के प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत निर्धारित नियमों / शर्तों के अधीन होगी।
3. यह नोटिस उधारकर्ता, गारंटर (ओं) और सामान्य रूप से जनता पर भी लागू होता है।
4. मोड या भुगतान: एसआरजीएचएफएल के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया A/C नंबर - 31647161123, आईएफएससी- SBIN0004082, एसएमई शाखा, 4-सी रिधि सिद्धि कॉम्प्लेक्स, उदयपुर (राजस्थान) में एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम पर डी डी (डिमांड ड्राफ्ट) / नेफ्ट / चेक / आर.टी.जी.एस. द्वारा। नीलामी के माध्यम से प्राधिकृत अधिकारी द्वारा बिक्री का संचालन किया जाएगा।
5. बोलीदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे www.srghousing.com के वेब पोर्टल के माध्यम से जानकारी लें।

नोट- 1. इस नोटिस को www.srghousing.com पर देखा जा सकता है।
2. विस्तृत नियम और शर्तों, बोली फॉर्म आदि के लिए, लॉग ऑन करें www.srghousing.com

स्थान - राजस्थान

प्रकाशन की तिथि- 10/02/2026

एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

प्राधिकृत अधिकारी

कोटा में शॉर्ट सर्किट से केमिकल फैक्टरी में भीषण आग लगी

हादसे के समय फैक्टरी में केमिकल के ड्रम मौजूद थे, जिससे आग तेजी से फैल गई

- केमिकल फैक्टरी परिसर में लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हुआ था, जिसके बाद आग ने विकराल रूप ले लिया
- आग इतनी विकराल थी कि आसमान में काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, नौ दमकलों ने आग पर पूरी तरह काबू पाया

कोटा, (निसं)। रानपुर इंडस्ट्रियल एरिया में सोमवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब रानपुर स्थित एक केमिकल फैक्टरी में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि आसमान में काले धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देने लगा। जानकारी के अनुसार फैक्टरी परिसर में लगे ट्रांसफार्मर में शॉर्ट सर्किट हुआ था, जिसके बाद आग ने थोड़ी देर में विकराल रूप ले लिया। फैक्टरी में आग की सूचना नगर निगम के अग्निश्मन विभाग को दी गई। आग की सूचना मिलते ही नगर निगम की अग्निशमन टीमें मौके पर पहुंची और करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नौ दमकलों की मदद से आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। आग की सूचना मिलते ही पुलिस टीम और फायर बिग्रेड की दमकले मौके पर पहुंच गई।

मुख्य अगिनश्मन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि सोमवार सुबह रानपुर स्थित एक फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली, रानपुर क्षेत्र में कई फैक्टरीयां है, मामले की गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग फायर स्टेशनों से नौ दमकलें मौके पर भेजी गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि आग लगने के समय फैक्टरी में केमिकल के ड्रम मौजूद थे, जिससे आग तेजी से फैल गई। गनीमत यह रही कि हादसा सुबह के वक्त हुआ जब फैक्टरी में ज्यादा हलचल नहीं थी, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई और समय रहते कार्रवाई करते हुए फैक्टरी के चारों ओर से फॉयर फॉइटिंग कर आग पर काबू पाया गया, प्रथम दृष्टा से आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट होना सामने आया हैं। उन्होंने बताया कि फैक्टरी में आग की सूचना मिलते ही एक के बाद एक दमकलें मौके पर भेजी गई और डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

कोटो के रानपुर स्थित फैक्टरी में लगी आग को दमकलकर्मियों ने बड़ी मशक्कत से बुझाया।

ठेकेदार पर नाबालिग से छेड़छाड़ का आरोप : जोधपुर शहर के एक निजी कॉलेज केंटिन ठेकेदार पर महिला ने अपनी पुत्री से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए पॉक्सो एक्ट में रिपोर्ट दी है। वहीं कुछ दिन पहले ठेकेदार द्वारा महिला पर चांदी के सिक्के और गल्ले से कुछ नगदी चुराने के संबंध में रिपोर्ट दी गई थी। आरोप के क्रॉस में यह प्रकरण दर्ज कराया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है।

कुड़ी थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता ने आरोप लगाया कि वह एक निजी कॉलेज ठेकेदार हाकम खान के पास में केंटिन में काम करती है। बेटी भी साथ ही रहती है। गत 21 दिसंबर को ठेकेदार ने उसकी नाबालिग बेटी से छेड़छाड़ कर अश्लील हरकतें की। पीड़िता ने घटना को लेकर अब केस दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार ठेकेदार द्वारा इस महिला के खिलाफ कुछ दिनों पहले केंटिन के गल्ले से चांदी के दस सिक्के और ढाई हजार रूपए चुराने का आरोप लगाया गया था, जिसमें पहले से केस दर्ज हो रखा है। अब पीड़िता ने अपनी बेटी से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है।

मादक पदार्थ तस्कर की तीन करोड़ की संपत्ति कुर्क

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी कर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने वाले तस्कर के खिलाफ कार्रवाई करते कोर्ट के आदेश के बाद तीन करोड़ रुपए बाजार मूल्य की संपत्ति को कुर्क किया है। यह पूरी कार्रवाई बीएस के कानून के धारा 107 के तहत की गई है।

गौरतलब है कि गत 30 अक्टूबर को शास्त्री नगर थाना पुलिस ने आरोपी तस्कर के मिल्कमैन कॉलोनी स्थित एक मकान में दबिश दी थी। इस दौरान 666 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया गया था। इस पर टीम ने तस्कर सोनाराम विश्नोई के खिलाफ मामला दर्ज किया था। जांच में सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में मादक पदार्थ तस्करी के पांच मामले दर्ज हैं।

इस पर पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश, डीसीपी विनित कुमसंसद के निर्देशन में पुलिस ने आरोपी की मादक पदार्थ तस्करी से अर्जित संपत्ति को कुर्क करने के लिए कोर्ट में इस्तगासा पेश किया, जिसमें बताया कि आरोपी ने सूर्या नगर सांगरिया में दो मंजिला आलीशान मकान का निर्माण किया है। वहीं ग्राम पाल जोधपुर में तीन भूखण्ड खरीद रखे थे। जिसे अब कोर्ट के आदेश पर कुर्क किया गया। पुलिस कार्रवाई में बासनी थाना अधिकारी नितिन दवे, शास्त्रीनगर थाना अधिकारी जुल्फिकार, शैतान चौधरी, बासनी थाने के हैड कांस्टेबल रामलाल, गोविंदराम, कॉन्स्टेबल डूंगर सारण, दिनेश नायल शामिल रहे।

सड़क हादसे में यूपी की महिला पर्यटक की मौत

सड़क पर करीब 50 मीटर तक बिखरा क्षत-विक्षत शव

उदयपुर, (कासं)। गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाइवे पर घसियार स्थित श्रीनाथजी मंदिर के बाहर सोमवार को भीषण सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश की एक महिला पर्यटक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद महिला की बेटी दौड़कर आई और मां के शव से लिपटकर रोने लगी। वह बार-बार मम्मी-मम्मी पुकारती रही। हादसा बड़गांव थाना इलाके में गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाइवे पर सोमवार दोपहर में हुआ।-सड़क पर करीब 50 मीटर तक क्षत-विक्षत शव बिखर गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान अनीता यादव (55) पत्नी ब्रज यादव निवासी सदर नया बाजार, मेरठ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है जो अपनी बेटी निधि उर्फ निकिता के साथ मेवाड़ के प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों के दर्शन करने आई थी। महिला अपने परिजनों के साथ तूफान वाहन में सवार होकर श्रीनाथजी के दर्शन के लिए पहुंची थी। बताया गया कि महिला के परिजन पहले मंदिर में दर्शन के लिए चले गए थे, जबकि वह कुछ देर के लिए वाहन में अकेली बैठी रही। इसी दौरान महिला अचानक वाहन से उतरकर सड़क पार करते हुए मंदिर की ओर जा रही थी, तभी गोगुंदा की ओर से तेज रफ्तार आ रहे एक ट्रेलर ने उसे कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई और शव क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। ट्रेलर गुजरात राज्य का बताया जा रहा है जिसमे कोयला भरा था। सूचना पर बड़गांव थाना पुलिस से एएसआई सोहन सिंह राणावत मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया तथा मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर
मचकुण्ड चौराहा जी0टी0रोड धौलपुर
फोन नं0 05642-220728 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- 3498-3507 दिनांक :- 30.01.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 104/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यो की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लोड भी किये जा सकते है।

एन.आई.वी.नं.	PHE2526A5892
यू.वी.एन.	PHE2526WSOB12424

(जीतेन्द्र लवानियां)
अधिषाषी अभियन्ता
जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर
DIPR/C/2188/2026

नाबालिग से दुष्कर्म के दो आरोपियों को उम्रकैद

- कोर्ट ने कहा कि आरोपियों द्वारा किया गया कृत्य जघन्य अपराध है और इसका समाज पर गलत प्रभाव पड़ता है

अलवर, (निसं)। अलवर की पॉक्सो कोर्ट संख्या-1 ने नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने और दोस्त के साथ मिलकर गैंगरेप करने के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। पॉक्सो कोर्ट-1 के न्यायाधीश जघेंद्र अग्रवाल ने दोनों आरोपियों को उम्रकैद यानी मरते दम तक की सजा से दंडित किया है। साथ ही दोनों आरोपियों पर 28 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत में कुल 22 गवाहों के बयान और 26 दस्तावेज पेश किए गए, जिनके आधार पर कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि आरोपियों द्वारा किया गया कृत्य जघन्य अपराध है और इसका समाज पर गलत प्रभाव पड़ता है।

सरकारी वकील विनोद शर्मा ने बताया कि पीड़िता की मां ने 7 नवंबर 2024 को अलवर जिले के एक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी 6 नवंबर की रात घर पर सोई थी, लेकिन अगले दिन सुबह जब उसे चाय देने के लिए उठाया गया तो वह घर पर नहीं मिली। परिजनों को एक युवक पर शक हुआ, जब उसके घर पहुंचे तो वह भी घर से गायब था और उसकी बाइक भी नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और तलाश शुरू की गई। पुलिस द्वारा बरामदगी के बाद पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे अपने दोस्त के साथ भिवाड़ी ले गया, जहां एक कमरे में कई दिनों तक रखा गया और दोनों आरोपियों ने उसके साथ गैंगरेप किया। मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में चालान पेश किया, जिसके बाद अदालत ने दोनों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई।

सूने मकान से लाखों के जेवर व सामान चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के मधुबन हाउसिंग बोर्ड स्थित एक सूने मकान में चोरों ने सैंध मारकर वहां से 15 तोला सोने के आभूषण के साथ चांदी के आइटम और दस हजार की नगदी चुरा ले गए। पीड़ित हिन्दूस्थान गम से सेवानिवृत है। इस बारे में अब भगत की कोठी थाने में चोरी की रिपोर्ट दी गई है।

पुलिस ने बताया कि मधुबन हाउसिंग बोर्ड 4 ख 14 में रहने वाले राजकुमार माहेश्वरी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि वे हिन्दूस्थान गम से सेवानिवृत है। 5 फरवरी को परिवार सहित शादी में शामिल होने जोधपुर से बाहर गए थे। 7 फरवरी को घर में चोरी की सूचना मिली। इस पर यहां आकर पता लगा कि चोर घर की अलमारी बक्सों से 15 तोला सोने का हार के साथ चांदी की गिलासें और अन्य आइटम चोरी कर ले गए। घर में दस हजार की नगदी भी रखी हुई थी वह भी ले गए। भगत की कोठी पुलिस ने केस दर्ज कर अब जांच आरंभ की है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 7.50 लाख की ठगी

- हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया था

सादुलपुर, (निसं)। हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर बेरोजगार तीन युवकों से लाखों रुपये की ठगी करने के आरोप का मामला सामने आया है। मामले में सोमवार को राजगढ़ थाना पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि न्यायालय से प्राप्त इस्तगासे के आधार पर दर्ज मामले में पीड़ित सुरेश कुमार निवासी न्यांगल छोटी ने बताया कि वह मजदूरी व कृषि कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। उसका पुत्र बी.ए. की पढ़ाई कर रहा था। इसी दौरान सतीश श्योराण निवासी ढाणी रामजस, तहसील सिवानी (हरियाणा) तथा विनोद कुमार निवासी गुरेरा, तहसील सिवानी उसके घर आए और हरियाणा सरकार में पहुंच होने का दावा करते हुए उसके पुत्र को स्वास्थ्य विभाग में सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा दिया। आरोप है कि आरोपियों ने प्रति अभ्यर्थी 2 लाख 50 हजार रुपये की मांग की और आवश्यक दस्तावेज व पासपोर्ट साइज फोटो ले लिए। इसी तरह परिवादी के भाई धर्मपाल के पुत्र अक्षय तथा राजकुमार के पुत्र विकास को भी नौकरी दिलाने के नाम पर झांसे में ले लिया गया। 25 फरवरी 2022 को अंतिम तिथि का दबाव बनाकर विकास से नकद राशि व दस्तावेज आरोपी सतीश श्योराण व उसके पुत्र पवन को सौंप दिए गए। दर्ज मामले में आरोप लगाया है कि तीनों युवकों को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर कुल 7 लाख 50 हजार रुपये आरोपियों द्वारा हड़प लिए गए, जिसमें से करीब 01 लाख 50 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए तथा शेष राशि नगद दी गई। इसके बावजूद किसी को भी नौकरी नहीं दिलवाई गई। दर्ज मामले में बताया कि जब पीड़ित पक्ष ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी टालमटोल करते रहे। बाद में 22 जुलाई 2025 को सतीश श्योराण व विनोद कुमार ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। आरोप है कि पंचायत में मामला उठाने पर भी यह सामने आया कि आरोपी आदतन ठग हैं और ऐसे मामलों में पैसे वापस नहीं करते। दर्ज मामले में बताया कि आरोपियों की ऑडियो व वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध है, जिसमें वे नौकरी लगवाने की गारंटी देते हुए खुलेआम ठगी करते नजर आ रहे हैं। साथ ही यह भी आशंका जताई गई है कि आरोपियों का एक संगठित गिरोह सक्रिय है, जो भोले-भाले लोगों को सरकारी नौकरी का झांसा देकर ठगी करते हैं। राजगढ़ थाना पुलिस ने धोखाधडी के आरोप में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Office of the Superintendent Engineering Watershed Development and Soil Conservation, Karauli
File no. ()/3094-06 NOTICE INVITING BID Date: 02/02/2026
NIB No 38/2025-26 YEAR 2026
-Bids for Talab, Talai, ECD, Mpt, Sunkan pond, ECD, Pakka check dam, PB, Recharge shaft, RTWHS, e.t.c of MJSA 2.2 Phase 2 Block KARAULI, TODABHIM, HINDAUN, MANDRAIL, MASALPUR, NADOTI, SAPOTRA & SHREE MAHAVEER JI (TOTAL 08 Packs) estimated value INR 39.51, 40.73, 35.23, 42.58, 51.03, 29.30, 62.74 & 23.64 lacs are invited from interested bidders up to 06:00 PM, 11-02-2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or and department website https://sppp.rajasthan.gov.in) of the state (https://water.rajasthan.gov.in/wdsc).
NIB Code- WSC2526A1528,
UBN NO.- WSC2526WSRC02655 to 02662
Superitending Engineer
watershed development and soil conservation Department, Karauli
DIPR/C/2379/2026

Office of the Executive Engineer Watershed Development and Soil Conservation P.S. Nadoti, District Karauli
No. 434 NOTICE INVITING BID Date: 02-02-2026
NIB No 02/2025-26
Bids for PT,MPT, ECD work Project MJSA 2.0 Phase 2 Block - Nadoti of estimated value INR 61.97 Lacs are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 12-02-2026, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.
NIB CODE:- WSC 2526 A 1542
UBN NO- WSC 2526 WSRC 02677
Executive Engineer
Watershed Development and Soil Conservation
P.S. Nadoti, District Karauli
DIPR/C/2558/2026

Office of the Medical Superintendent
RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur
Sector-11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur -302033(Raj.)
दूरभाष: 0141-2795577, Email: supdt.hms@ruhsraj.org, ruhshmstore@ruhsraj.org
No. :- F. ( ) RUHS HMS/Store/2025-26/13750 Date :- 05/02/2026
Notice Inviting e-Bids
Single Stage Two envelope Online bids (e-bids) are invited upto 02.00 pm of 27-02-2026 for Supply and Installation of 1. Advance Thoracoscopy System, Qty. 01, Total Est. Cost Rs. 50.00 lacs, 2. Polysomnography System with Titration, Qty. 01, Total Est. Cost Rs. 30.00 Lacs, 3. PFT Machine, Qty. 01, Total Est. Cost Rs. 1.00 Lacs at Dept. of Respiratory Medicine, RUHS Hospital of Medical Sciences, Jaipur. Details may be seen in the Bidding Documents at the Website sppp.raj.nic.in, or eprocrajasthan.gov.in.
UBN : CMS2526GLOB00111-112, CMS2526GSOB00113
Raj.Samwad/C/25/19397 Medical Superintendent

नकली सोने पर रिश्तेदारों को 30 लाख का लोन दिया

- मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर व सहायक मैनेजर ने लोन दिया था
- करीब 10 परिचितों और रिश्तेदारों को लोन कर राशि का गबन किया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के नवलगढ़ में पीएनबी के गोल्ड लोन घोटाले की चर्चा अभी बंद भी नहीं हुई थी कि झुंझुनूं जिले के पिलानी से भी कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार झुंझुनूं जिले के पिलानी में संचालित गोल्ड लोन देने वाली मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी में भी ब्रांच मैनेजर व सहायक मैनेजर ने मिलकर कंपनी को करीब 30 लाख रूपए का चूना लगा दिया।

पिलानी सीआई चंद्रभान ने बताया कि मणप्पुरम फाइनेंस कंपनी के एरिया मैनेजर लोकेश शर्मा ने नौ दिसंबर 2025 को मामला दर्ज करवाया था कि कंपनी के पिलानी ब्रांच मैनेजर सीकर जिले के श्रीमाधोपुर थाना इलाके के बाकली कचियागढ़ वार्ड नं. 23 निवासी 27 वर्षीय संदीप सैनी पुत्र गणेशराम सैनी तथा सहायक मैनेजर गुढ़ागौड़जी थाना इलाके के ढाणी देवलक्या गुढ़ा ढहर निवासी 25 वर्षीय नरेंद्र सिंह पुत्र बजरंग सिंह राजपूत कार्यरत थे। कंपनी ने 12 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2025 के बीच ब्रांच द्वारा दिए गए गोल्ड लोन की आडिट करवाई थी। जिसके बाद सामने आया कि दोनों आरोपियों ने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत कर 30 लाख से ज्यादा का लोन नकली सोने के बदले दे दिया। पुलिस ने मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने नकली सोने के बदले अपने करीब 10 परिचितों और रिश्तेदारों को 30 लाख रूपए से ज्यादा का लोन कर राशि का गबन किया है। जिस पर पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। सीआई चंद्रभान ने बताया कि इस मामले में जिन 10 परिचितों और रिश्तेदारों के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आने पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

भरतपुर : छात्रावास में 12वीं के छात्र ने आत्महत्या की

नाश्ते के लिए उठाने गए चौकीदार को लटका मिला शव

- स्टूडेंट के 12 फरवरी से पेपर शुरू होने थे, कुछ दिन पहले ही घर से लौटा था

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर शहर के हाउसिंग बोर्ड के पास राजकीय अंबेडकर छात्रावास में एक स्टूडेंट ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब चौकीदार स्टूडेंट को नाश्ते के लिए उठाने गया तो स्टूडेंट का शव पंखे के कुंडे से लटका हुआ मिला। स्टूडेंट के 12 फरवरी से 12वीं के पेपर शुरू होने थे। कल ही स्टूडेंट अपने घर से छात्रावास में आया था।

छात्रावास के अधीक्षक गौरव सारस्वत ने बताया कि पंकज (16) निवासी सिंघाड़ा थाना रुदावल दो साल से छात्रावास में रह रहा था। वह कल ही अपने गांव से छात्रावास में आया था। जिस हॉल में पंकज रहता था, उसमें 14 स्टूडेंट रहते हैं। पंकज के साथ उसके चाचा का लड़का सुनील भी रहता था। कल रविवार था, इसलिए ज्यादात्तर बच्चे अपने दोस्तों के यहां चले गए थे। सुनील भी अपने दोस्तों के साथ छात्रावास के दूसरे कमरे में सो रहा था। कल शाम आठ बजे पंकज ने खाना खाया। 10 बजे तक वह पढ़ रहा रहा था। आज सुबह चौकीदार पंकज को नाश्ते के लिए उठाने गया तो, पंकज के हॉल का गेट अंदर से बंद था। जिसके बाद चौकीदार ने गेट को खटखटाया लेकिन, दरवाजा नहीं खुला। तब चौकीदार ने छात्रावास में मौजूद स्टूडेंट्स को इसके बारे में बताया। पंकज के हॉल का गेट तोड़ा गया। अंदर जाकर देखा तो, पंकज का शव पंखे के कुंडे से लटका हुआ था। जिसके बाद तुरंत पुलिस को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को उतरवाकर मोर्चरी में रखवाया और उसके बाद पंकज के परिजनों को घटना के बारे में बताया गया।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर-342003
ई-निविदा सूचना
हाइ वोल्टज इन्सुलैटिंग रबर मैट शीट TN-2118 (UBN JVV2526GLOB00869), इंसुलेटेड प्लायर, एवं स्क्रू ड्राईवर TN-2119 (UBN JVV2526GLOB00872) एवं इलेक्ट्रिकल इंसुलेटेड रबर हैंड ग्लव्स (वर्ग-1) TN-2120 (UBN JVV2526GLOB00871) की खरीद हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं। अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।
अधीक्षण अभिंयता
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)
राज.संवाद/सी/25/19390
बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि. विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड द्वितीय, बीकानेर
पी.एच.ई.डी. कैम्पस, इण्डस्ट्रीयल एरिया, के.जी.कॉम्पलेक्स के पास, रानी बाजार, बीकानेर (334001)
क्रमांक-7398-7409 दिनांक-30.01.2026
Notice Inviting Bid :- 178 to 181/2025-26
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 17-02-2026 at 18.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http:/eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 250.00 lacs.

NIT No.	178	179	180	181
UBN No.	PHED2526SLRC12472	PHED2526SLRC12475	PHED252626SLRC12477	PHED252626SLRC12478

(नरेश कुमार रैगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड-II, बीकानेर
DIPR/C/2176/2026

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner
Email ID - eepheddn1bkn@gmail.com Contact No. 0151-2941473
No. 4364-4388 Date:30/1/26
Notice Inviting Bid : 110-116/2025-26
Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 13.02.2026 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 390.00 Lacs.
UBN No.- PHE2526WSRC12611, PHE2526WSRC12612, PHE2526WSRC12613, PHE2526WSRC12614, PHE2526WSRC12615, PHE2526WSRC12616, PHE2526WSRC12617
जल सीमित है, इसकी बचत करें।
(Ram Prakash Meena)
Executive Engineer PHED,
Distt (R) Div I Bikaner
DIPR/C/2170/2026

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली, E-Mail:- adpcsamsakarauli@gmail.com
क्रमांक :- एडीपीसी/समग्र शिक्षा/करौली/Civil/2025-26/789 दिनांक :- 05/02/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 06 (सिविल)/2025-26
(राजकीय विद्यालयों में मरम्मत कार्यों हेतु)
राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय / अर्द्धशासकीय / स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में मरम्मत कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों से आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा (एस.डी.आर. एफ) योजनान्तर्गत स्वीकृत 175 राजकीय विद्यालय में तात्कालिक मरम्मत कार्यों हेतु प्रति कार्य की राशि रूपये 1.97 लाख के निविदा में भाग लेने बाबत् कार्यवार निविदा प्रपत्र दिनांक 07.02.2026 से 11.02.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक संबंधित विद्यालय कार्यालय से कार्यालय समय में भौतिक रूप से प्राप्त की जाकर, भरी हुई निविदा प्रपत्र जमा करवाई जा सकती है।
निविदा से सम्बंधित सूचना वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
यू.बी.एन. नं RSE2526WSOB06861
अति० जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा करौली
राज.संवाद/सी/25/19447

डीजीपी राजीव शर्मा ने भीलवाड़ा में कानून व्यवस्था की समीक्षा की

- पुलिस महानिदेशक ने अपराधियों पर नकेल कसने के सख्त निर्देश दिए

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा सोमवार को भीलवाड़ा के दौरे पर रहे। अपने इस दौरे के दौरान उन्होंने जिले की कानून व्यवस्था का जायजा लिया और पुलिस अधिकारियों की एक विशेष अपराध समीक्षा बैठक ली।

डीजीपी राजीव शर्मा के भीलवाड़ा पहुंचने पर सर्किट हाउस में पुलिस अधिकारियों ने उनकी अगवानी की। यहाँ उन्हें पुलिस की टुकड़ी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद, उन्होंने जिले के पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अनौपचारिक चर्चा की। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित बैठक में डीजीपी शर्मा ने जिले में बढ़ रहे अपराधों, पेंडिंग मामलों और कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। सूत्रों के मुताबिक, डीजीपी ने महिला सुरक्षा और सायबर क्राइम को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि संगठित अपराध और भू-माफियाओं के खिलाफ पुलिस को ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी। भीलवाड़ा, जो कि टेक्सटाइल और माइनिंग का हब है, यहाँ आर्थिक अपराधों और अवैध खनन पर लगाम लगाने के लिए उन्होंने पुलिस को तकनीकी संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने की सलाह दी।

भीलवाड़ा में डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने प्रेसवार्ता की।

दौरे के दौरान डीजीपी ने कुछ चुनिंदा पुलिस थानों का निरीक्षण भी किया और वहां की साफ-सफाई व रिकॉर्ड संधारण को देखा। उन्होंने निर्देश दिया कि थानों में आने वाले फरियादियों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों के साथ पुलिस का व्यवहार संवेदनशील होना चाहिए। मीडिया से मुखातिब होते हुए डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा, राजस्थान पुलिस आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर कायम करने के लिए प्रतिबद्ध है। भीलवाड़ा एक महत्वपूर्ण औद्योगिक जिला है, यहाँ शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। पुलिस बेड़े को आधुनिक बनाने और नशामुक्त समाज के निर्माण पर हमारा पूरा जोर रहेगा।

कार्यालय नगर निगम, पाली (राज.)
(लालबहादुर शास्त्री टाऊन हॉल, सुरजपोल के पास, पाली, पिनकोड – 306401)
(टेली–फैक्स : 02932–221301, ई–मेल : cmcpali@yahoo.co.in,वेब–साईट: www.mcpali.com)
क्रमांक प. 12( )/विकास/2026/13 दिनांक 05.02.2026
ई–निविदा सूचना संख्या 13/2025 – 2026
नगर निगम, पाली की ओर से मुख्यंमत्री बजट घोषणा 2025 – 26 के अन्तर्गत स्वायत्त शासन विभाग/नगर निगम व अन्य विभागो मे "एए" श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से 1 कार्य की (अनुमानित लागत रू 725.00 लाख) ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। संवेदक दिनांक 06.02.2026 को प्रातः 09.00 बजे से दिनांक 25.02.2026 को सांय 6.00 बजे तक आनॅलाईन निविदाऐ जमा करा सकते है। निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण वेबसाई http://spp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in से तथा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है। उक्त 01 कार्य के यूबीएन संख्या निम्नानुसार है।
DLB2526WLOB33282
आयुक्त
नगर निगम, पाली
राज.संवाद/सी/25/19431

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं पदेन परियोजना प्रबंधक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, चूरू
जिला परिषद परिसर, चूरू-331001
E-mail:- sewdsc.churu@rajasthan.gov.in, Phone: 01562-254494
क्रमांक :- एफ1 ()/अ.अ/डब्ल्यूसीडीसी/लेखा/2025-26/2703 दिनांक :- 02/02/2026
ई-निविदा सूचना संख्या-18/2025-26
राजस्थान राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 के तहत स्वीकृत परियोजना क्षेत्र में करवाये जाने वाले विभिन्न कार्य हेतु जिला चूरू में स्वीकृत कार्यों हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 के अनुसरण में राज्य सरकार के सार्वजनिक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग, जन स्वा. एवं अभि. विभाग, सिचिंत क्षेत्र विकास एवं केन्द्रीय सरकार के अभियांत्रिकी विभाग में पंजिकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा दिनांक 13.02.2026 को सांय 05.00 बजे तक ऑन लाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण "http://sppp.rajasthan.gov.in", "http://eproc.rajasthan.gov.in" वेबसाईट पर देखा जा सकता है।
NIB CODE :- WSC2526A1530, UBN NO :- WSC2526WSOB02667
अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक
वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, चूरू
राज.संवाद/सी/25/19418

प्रदेश में 91 लाख से अधिक जरूरतमंदों को मिल रही सामाजिक सुरक्षा पैंशन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा का कवच हुआ मजबूत

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील, समावेशी और जनकल्याणकारी नेतृत्व में राज्य सरकार समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को सामाजिक सुरक्षा का कवच प्रदान कर रही है। प्रदेश में संचालित सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं वृद्धजन, एकल नारी, विशेष योग्यजन तथा लघु एवं सीमांत कृषकों को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए उनके लिए सम्मानजनक जीवन का आधार बन रही हैं। इन योजनाओं से वर्तमान में प्रदेशभर में 91 लाख 83 हजार से अधिक लाभान्वित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य सरकार ने 5 जून 2024 को नियमों में संशोधन कर पात्रता निर्धारण की प्रक्रिया अधिक स्पष्ट और पारदर्शी बनाई। इन नियमों के सतत क्रियान्वयन से वृद्धजन, विधवा, परित्यक्ता एवं तलाकशुदा, विशेष योग्यजन तथा लघु एवं सीमांत कृषकों को नियमानुसार पेंशन सुनिश्चित की जा रही है। मुख्यमंत्री की मंशा है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित न रहे। इसकी अनुपालना में पेंशन की आवेदन प्रक्रिया को सरल और नागरिकों के अनुकूल बनाया गया है, ताकि जरूरतमंद व्यक्ति स्वयं या ई-मित्र के माध्यम से आसानी से आवेदन कर सके। पेंशन से जुड़ी संपूर्ण प्रक्रिया को ऑनलाइन और पेपरलेस तरीके से संचालित किया जा रहा है। पैंशन राशि का भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जा रहा है। साथ ही, पेंशन से संबंधित शिकायतों का भी त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवर्ष लगभग 366 करोड़ रुपये की राशि चार किश्तों में जारी की जाती है। राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री वृद्धजन सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री एकल नारी सम्मान पेंशन योजना, मुख्यमंत्री विशेष योग्यजन पेंशन योजना तथा मुख्यमंत्री लघु एवं सीमांत कृषक सम्मान पेंशन योजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। साथ ही, केंद्र सरकार की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था, विधवा एवं निशक्त पेंशन योजनाएं भी प्रदेश में व्यापक स्तर पर लागू की जा रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सशक्त कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

■ **अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान हो रहा सुनिश्चित : भजनलाल शर्मा**

समय पर पैंशन सुनिश्चित करने के लिए एआई तकनीकें अपनाकर व्यवस्था मजबूत की जाएं : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने ली सामाजिक सुरक्षा पैंशन योजनाओं की समीक्षा बैठक

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित सामाजिक सुरक्षा पैंशन योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सचिवालय स्थित चिन्तन सभागार में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए पेंशन योजना के लाभार्थियों का एनालिटिक डैशबोर्ड तैयार कर पेंशन पोर्टल पर प्रदर्शित किए जाने और पेंशनर के भुगतान में हो रहे विलंब के संबंध में वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर इसको नियमित करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वी. श्रीनिवास ने कहा ने विशेष योग्यजन श्रेणी के पेंशनर का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनने में हो रही कठिनाई के समाधान के लिए स्वावलंबन पोर्टल की टीम से संपर्क कर यथाशीघ्र समाधान करवाने, पेंशनर्स के वार्षिक सत्यापन के लिए वर्तमान में प्रचलित फेस रिकॉग्निशन मोबाइल एप को और अधिक प्रसारित कर अधिक अधिक संख्या में पेंशनर का सत्यापन इसके माध्यम से करवाया जाना सुनिश्चित किया जाने के भी निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपर्णा अरोड़ा, निदेशक आशीष मोदी सहित चिकित्सा शिक्षा विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान एड्स नियंत्रण सोसायटी, राजस्थान जनआधार प्राधिकरण, एनआईसी, राजस्थान विशेष योग्यजन निदेशालय तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

■ **पेंशनर्स के वार्षिक सत्यापन के लिए फेस रिकॉग्निशन मोबाइल एप के प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए**

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सोमवार को सामाजिक सुरक्षा पैंशन योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक ली।

बुजुर्गों को संभालो वरना भविष्य में सामाजिक संकट पैदा होगा : हाईकोर्ट

अदालत ने कहा कि ''भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को भगवान का दर्जा दिया जाता है, लेकिन संयुक्त परिवारों के टूटने, शहरीकरण और बदलती जीवन शैली ने वर्तमान में उन्हें असहाय और उपेक्षित बना दिया है।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों को भगवान का दर्जा दिया जाता है, लेकिन संयुक्त परिवारों के टूटने, शहरीकरण और बदलती जीवन शैली ने वर्तमान में उन्हें असहाय और उपेक्षित बना दिया है। इसके साथ ही अदालत ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को कहा है कि वह प्रदेश में संचालित वृद्धाश्रमों का दौरा कर अदालत में 15 फरवरी को रिपोर्ट पेश करे। अदालत ने कहा कि प्राधिकरण देखे की क्या इन वृद्धाश्रमों की इमारत राज्य सरकार ने बनाई है और इनमें रहने वाले क्या वरिष्ठ नागरिक हैं। इसके साथ ही अदालत ने बताने को कहा है कि इनमें पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं मौजूद हैं या नहीं और क्या सरकार इन्हें कोई वित्तीय सहायता दे रही है। जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश लोक उत्थान संस्थान की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि वृद्धाश्रम केवल कागजों में नहीं हो सकते। यहां रहने वाले बुजुर्गों को पूर्ण सम्मान, बेहतर चिकित्सा और सुरक्षा के साथ मानवीय गरिमा के साथ जीने का हक मिलना चाहिए। अदालत ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल सिर्फ परिवार की नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संवैधानिक जिम्मेदारी है। अदालत ने कहा कि देश में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ रही है। देश में महिलाओं की जीवन प्रत्याशा पुरुषों के मुकाबले अधिक है। वहीं तीस फीसदी बुजुर्ग महिलाएं और 28 फीसदी बुजुर्ग पुरुष गंभीर बीमारियों से पीडित हैं। इस आबादी का बड़ा हिस्सा गांवों में रहता है, लेकिन वहां तुलनात्मक रूप से सुविधाएं सीमित हैं। अदालत ने यह भी कहा कि साल 2022 में देश में 10.5 फीसदी सीनियर सिटीजन थे, जो 2050 में बढ़कर करीब 20.8 फीसदी हो जाएंगे। इसके अलावा साल 2046 तक देश की बुजुर्ग आबादी 14 साल तक के बच्चों की संख्या से अधिक हो जाएगी। ऐसे में बूढी आबादी को सामाजिक संबल की जरूरत है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता कपिल प्रकाश माथुर ने अदालत को बताया गया कि जयपुर में 4 वृद्धाश्रम सहित प्रदेश में कुल 31 वृद्धाश्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसका विरोध करते हुए याचिकाकर्ता के अधिवक्ता नितिन सोनी ने कहा कि राज्य सरकार कई पुनर्वास केन्द्रों को वृद्धाश्रम बता रही है, जबकि वास्तव में इतने वृद्धाश्रम संचालित नहीं हो रहे हैं। इस पर अदालत ने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को इस संबंध में रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जनहित याचिका में वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनहित याचिका दायर की गई है। पूर्व में अदालत ने दिशा-निर्देश जारी करते हुए इसका निस्तारण कर दिया था, लेकिन बाद में पालना नहीं होने पर अदालत ने मामले में पेश अवमानना याचिका को पुनः जनहित याचिका के तौर पर सुनना तय किया था।

सीतोड़ गाँव का रास्ता अवरुद्ध करने का मामला हाईकोर्ट पहुँचा

जयपुर (कासं)। सवाई माधोपुर जिले की तहसील बामनवास के ग्राम सीतोड़ (बड़ी झोपड़ी कसाना ढाणी) के लगभग 300 ग्रामीणों के आवागमन के एकमात्र कदीमी रास्ते पर अवैध अवरोध लगाए जाने के मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर पीठ में जनहित याचिका प्रस्तुत की गई।

याचिका में बताया गया कि रास्ता अवरुद्ध होने से ग्रामीणों, विशेषकर स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं और मरीजों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा एम्बुलेंस तक गाँव तक नहीं पहुँच पा रही थी। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने 5 फरवरी को संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किए तथा थाना प्रभारी, बामनवास को निर्देश दिया कि अवरुद्ध रास्ते से अवरोध हटाकर आवागमन सुनिश्चित किया जाए और भविष्य में पुनः अवरोध न हो।

जनवरी की जिला रैंकिंग में झुंझुनूं और हनुमानगढ़ अव्वल रहे

जिला रैंकिंग से मजबूत हो रही स्कूल शिक्षा में जवाबदेही और सुधार प्रक्रिया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जनवरी-2026 की जिला एकेडमिक रैंकिंग जारी कर दी गई है। यह रैंकिंग प्रदेश के समस्त जिलों के शैक्षिणक परिणामों, विद्यालयों के दैनिक संचालन और गवर्नेंस संकेतकों में प्रदर्शन का समग्र आकलन करती है। ताज़ा रैंकिंग में झुंझुनूं और हनुमानगढ़ शीर्ष जिलों में शामिल रहे हैं, जबकि चूरू ने सराहनीय प्रयास करते हुए तीसरे स्थान पर कब्जा जमाया है।

रैंकिंग में छात्रों की नियमित उपस्थिति, कक्षा में शिक्षण की गुणवत्ता, फील्ड विजिट के माध्यम से निगरानी और शैक्षिणक मूल्यांकन में विद्यार्थियों के प्रदर्शन जैसे प्रमुख मानकों को शामिल किया गया है। सीखने के परिणामों पर बढ़ते जोर और उच्च स्तर पर नियमित प्रदर्शन समीक्षाओं के साथ, जिला रैंकिंग स्कूल शिक्षा प्रणाली में जवाबदेही, लक्षित सहयोग और निरंतर सुधार लाने का एक प्रभावी माध्यम बन रही है।

इस वर्ष शैक्षिणक सीखने के परिणामों को औपचारिक रूप से रैंकिंग का हिस्सा बनाया गया है। कॉम्पिटेंसी-बेस्ड असेसमेंट (सीबीए), ओरल रीडिंग फ्लुएंसी (ओआरएफ) असेसमेंट और बोर्ड परीक्षा के नतीजों को विशेष महत्व दिया गया है, ताकि जिलो का प्रदर्शन न केवल प्रशासनिक दक्षता बल्कि शैक्षिणक प्रभाव को भी दर्शा सके।

एकेडमिक रैंकिंग का उद्देश्य जिलों के प्रदर्शन की नियमित, डेटा-आधारित समीक्षा करना और स्कूल शिक्षा प्रणाली में जवाबदेही को मजबूत बनाना है। जिला रैंकिंग और पैरामीटर-वाइज़ स्कोर की हर माह स्कूल शिक्षा विभाग (सीएसई) के सचिव की अध्यक्षता में होने वाली समीक्षा बैठकों में गहन समीक्षा की जाती है, जिसमें कमियों की पहचान कर सुधार के लिए स्पष्ट अगले कदम तय किए जाते हैं। ताजा रैंकिंग के अनुसार झुंझुनूं और हनुमानगढ़ ने अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा है। तीसरे पायदान पर चूरू रहा, जिसने गंगानगर को पीछे छोड़ा। सीकर, भरतपुर और खैरतल-तिजारा क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहे। बांसवाड़ा और जैसलमेर सबसे निचले पायदान पर है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का कहना है कि जिला रैंकिंग ने स्कूल शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया है। सीखने के परिणामों को रैंकिंग से जोड़ने का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर स्तर पर निर्णय विद्यार्थियों की वास्तविक प्रगति के आधार पर हों। हमारा लक्ष्य है कि सभी जिलों को समान अवसर, समयबद्ध सहयोग और आवश्यक संसाधन मिलें, ताकि प्रदेश का कोई भी बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहे।

स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल का कहना है कि डेटा-आधारित समीक्षा और सीखने के परिणामों पर फोकस से अब स्कूल शिक्षा प्रणाली में ठोस और स्थायी सुधार दिखाई दे रहे हैं। आने वाले समय में तकनीक, शिक्षक प्रशिक्षण और नवाचारों के जरिए हर विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है।

■ **डेटा-आधारित समीक्षा से सीखने के परिणामों पर बढ़ा फोकस**

नीरज जैन होंगे मेडल ऑफ मैरिट से सम्मानित

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरीभाऊ बागडे बुधवार को प्रातः 9 बजे जयपुर के जगतपुरा स्थित स्काउट गाइड के राज्य प्रशिक्षण केंद्र पर आयोजित राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी समारोह की अध्यक्षता करेंगे एवं राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य विशिष्ट अतिथि होंगे। इस अवसर पर प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के जनसंपर्क प्रभारी एवं विभागीय मासिक पत्रिका के सहायक संपादक नीरज जैन अपनी उल्लेखनीय सेवाओं के फलस्वरुप राज्यपाल के कर कमलों से मेडल ऑफ मेरिट अवार्ड से सम्मानित होंगे। जैन की उल्लेखनीय एवं प्रशंसनीय सेवाओं के फलस्वरुप इस अवार्ड के लिए राज्य अवार्ड कमेटी द्वारा उनका चयन किया गया है। जैन इससे पूर्व भी अनेक साहित्यिक एवं कला मंचों पर सम्मानित हो चुके है।

राज्य बजट से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और ग्राम साथिनों का शक्ति प्रदर्शन

जयपुर। राज्य बजट से ठीक पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और ग्राम साथिनों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गई तो मजबूर होकर दिल्ली कूच करना पड़ेगा। सोमवार को 22 गोदाम पुलिया के पास अखिल राजस्थान महिला एवं बाल विकास संयुक्त कर्मचारी संघ ने एक दिवसीय धरना दिया। प्रदेश भर से पहुंची महिला आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने उच्च न्यायालय के आदेश को लागू करने सहित 11 सूत्री मांगों को सरकार के समक्ष रखा।

संस्था के संस्थापक-संरक्षक छोटेलाल बुनकर ने बताया कि उच्च न्यायालय, जयपुर की खंडपीठ ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के समकक्ष माना है। साथ ही उनका मानदेय क्रमशः 24 हजार 800 और 20 हजार 300 तय किया है। अदालत ने इसे 30 दिनों के भीतर लागू करने के लिए भारत सरकार और राजस्थान सरकार के सचिवों को निर्देशित किया है।

बुनकर ने इसे मातृशक्ति की पहली बड़ी जीत बताते हुए कहा कि अब सरकार को इसे लागू करना होगा। धरने के माध्यम से कर्मचारी संघ ने अन्य मांगें भी सरकार के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि उनका यह शक्ति प्रदर्शन केवल शुरुआत है, अपने हक और अधिकारों के लिए उनका यह प्रयास भविष्य को मजबूत बनाएगा। उन्होंने बताया कि, आंगनबाड़ीकर्मियों ने न्यूनतम मानदेय वृद्धि, मानदेय बढ़ाने, कुम्हेर परियोजना, ठेका प्रथा खत्म करने, नर्सरी शिक्षक का दर्जा देने, ग्राम साथिनों के लिए पद और आरक्षण की मांग की है। इसके साथ ही महिला पर्यवेक्षक, कनिष्ठ लिपिक और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के पदों में 50 प्रतिशत आरक्षण, रिक्त पदों में शिथिलता देने, बोनस अंक, पेंशन और ग्रेच्युटी की मांगे भी उठाई है। संघ की प्रदेशाध्यक्ष रचना शर्मा ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल न्यायालय के आदेश को लागू कराना नहीं है, बल्कि आंगनबाड़ी और ग्राम साथिनों के अधिकारों और भविष्य को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से अनदेखा की गई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और ग्राम साथिनों की मेहनत और योगदान अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

प्रदेशभर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सोमवार को 22 गोदाम पर एकत्रित होकर धरना दिया।

जलदायकर्मियों का विरोध-प्रदर्शन

जयपुर। प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन इंटक जयपुर के आव्हान पर पानी पेच स्थित अधीक्षण अभियन्ता वृत उत्तर कार्यालय पर हजारों की संख्या में जलदाय कर्मचारियों ने 16 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।यह प्रदर्शन संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत के निर्देशानुसार, जिला अध्यक्ष ताराचन्द सैनी, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास सैनी एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह शेखावत विधि सलाहकार मुकेश कुमार माथुर के नेतृत्व में आयोजित हुआ। कर्मचारियों ने नई भर्ती, लीवरेज राशि में वृद्धि, पम्प हाउस व राजकीय आवासों की मरम्मत, सुरक्षा कर्मी नियुक्ति सहित प्रमुख मांगों को लेकर अधिक्षण अभियन्ता एवं अधीनस्थ अभियंताओं को ज्ञापन सौंपा। अधिकारियों ने 15 दिवस में समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर आयोजित आम सभा को राजस्थान इंटक प्रदेशाध्यक्ष जगदीश राज श्रीमाली, जलदाय इंटक के संरक्षक जगदीश प्रसाद शर्मा, रामाशंकर गुर्जर एवं सलाहकार केदार शर्मा ने संबोधित किया।

मां ने बेटी को संतान मानने से किया इनकार

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने संपत्ति विवाद में मां की ओर से याचिकाकर्ता को अपनी बेटी मानने से इनकार करने पर अदालत ने डीएनए टेस्ट कराने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि किसी को जबरन डीएनए परीक्षण कराने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, लेकिन यदि वह परीक्षण से इनकार करती है तो अदालत परिस्थिति के आधार पर अनुमान लगा सकती है। जस्टिस बिपिन गुप्ता की एकलपीठ ने यह आदेश बेटी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि डीएनए जांच से व्यक्ति की निजता प्रभावित होती है, लेकिन सत्य का पता लगाना भी कोर्ट का दायित्व है।

मामले के अनुसार याचिकाकर्ता बेटी ने साल 2014 में अपने स्वर्गीय पिता की ओर से अपने बेटे के पक्ष में बनाई वसीयत को निरस्त घोषित करने और संपत्ति में अपने हिस्से का अधिकार देने की गुहार की। बेटी की ओर से कहा गया कि यह पैतृक संपत्ति होने के कारण उसकी वसीयत नहीं की जा सकती थी। निचली अदालत में सुनवाई के दौरान मृतक के बेटे और मां ने याचिकाकर्ता को मृतक की बेटी मानने से इनकार कर दिया। इस पर याचिकाकर्ता ने निचली अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर मां और भाई का डीएनए टेस्ट का उसके डीएनए से मिलाने कराने की गुहार की। इस प्रार्थना पत्र को निचली अदालत ने खारिज कर दिया। इस पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गुहार की। जिसका विरोध करते हुए मां की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कहा कि मां स्वयं ही कह रही है कि उसने याचिकाकर्ता को जन्म नहीं दिया। वहीं डीएनए परीक्षण से निजता प्रभावित होगी। इसलिए डीएनए परीक्षण की जरूरत नहीं है। इस पर अदालत ने कहा कि यह बाध्यकारी नहीं है, लेकिन उनका डीएनए जांच कराई जाए। यदि इस दौरान मां इनकार करे तो निचली अदालत परिस्थिति के आधार पर अनुमान लगा सकती है।

''ज्वैल्स ऑफ इंडिया'' की विवादित भूमि आवंटन प्रकरण में जनहित याचिका खारिज की हाईकोर्ट ने

राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने राजस्थान हाईकोर्ट में कहा कि ''भूमि आवंटन और भू-रूपांतरण में कोई अनियमितता नहीं हुई।''

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने टोंक रोड पर कैपस्टन मीटर को औद्योगिक उद्देश्य के लिए दी गई 205 बीघा जमीन की लीज शर्तों की अवहेलना करने के बाद भी राज्य सरकार की ओर से जमीन वापस नहीं लेने को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ. जयनारायण त्रिवेदी की पीआईएल पर दिए।

अदालत ने कहा कि वह जमीन आवंटन के संबंध में राज्य सरकार की ओर से दिए गए जवाब से संतुष्ट है। अदालत में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने राज्य सरकार की ओर से पैरवी की थी। उन्होंने कहा कि, यह भूमि 1965 तक संस्थानिक भूमि थी, इसके भू-रूपांतरण और अवाप्ति में किसी भी तरह की अनियमितत्ताएं नहीं है। इस प्रकरण में जयपुरिया परिवार की ओर से अधिवक्ता सुरूचि कासलीवाल पेश हुई थी।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने वर्ष 1965 में गोपालपुरा पुलिया के पास स्थित इस 205 बीघा भूमि को कैपस्टन मीटर प्रा. लि. को औद्योगिक उद्देश्य के लिए लीज पर दिया था। लीज में यह शर्त थी कि जिस उद्देश्य के लिए जमीन लीज पर दी गई है, अगर वह उद्देश्य पूरा नहीं होता है तो जमीन स्वतः ही राज्य सरकार में निहित हो जाएगी। इसके अलावा लीज दस्तावेजों से स्पष्ट है कि यह भूमि आवंटी न तो किसी अन्य उपयोग में लेगा और ना ही हस्तांतरित कर सकेगा।

याचिका में कहा गया कि इसके बावजूद भी जमीन के कुछ हिस्से को मैसर्स जय डिंक्स प्रा. लि. को सब-लीज पर दे दी गई। दोनों कंपनियों के निदेशक भी एक ही जयपुरिया परिवार से संबंध रखते हैं। इस भूमि के एक हिस्से में उच्च अधिकारियों और राजनेताओं की शह पर ज्वैल्स ऑफ इंडिया नाम से रिहायशी फ्लैट्स की बहुमंजिला इमारत बना दी गई।

याचिका में यह भी कहा गया कि बिल्डर के दबाव में इस जमीन के व्यावसायिक उपयोग की भी अनुमति दे दी गई। जेडीए के तत्कालीन विधि निदेशक अपनी विस्तृत टिप्पणी में इस कृत्य को भ्रष्टाचार की संज्ञा देते हुए मामले की जांच निष्पक्ष जांच एजेंसी से करने की विधिक राय दी, लेकिन उनका निदेशक पद से तबादला कर दिया गया। याचिका में गुहार की गई की मामले की जांच सीबीआई से कराई जाए और राज्य सरकार की ओर से जमीन को अपने स्वामित्व में लिया जाए।

इस प्रकरण में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत ने बताया कि वर्ष 1965 के आसपास ही कैपस्टन मीटर ने यह भूमि राज्य सरकार के पास सरेंडर कर दिया था, इसके बाद जयपुरिया परिवार को ही यह भूमि अवाप्ति में मिली। यह भूमि 1965 तक संस्थानिक भूमि थी, इसके भू-रूपांतरण और अवाप्ति में किसी भी तरह की अनियमितत्ताएं नहीं है।

■ **जबकि याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद का कहना था कि ''राज्य सरकार ने वर्ष 1965 में गोपालपुरा पुलिया के पास 205 बीघा भूमि कैपस्टन मीटर प्रा. लि. को औद्योगिक उद्देश्य के लिए लीज पर दी थी। लीज शर्त के मुताबिक जमीन आवंटन का उद्देश्य पूरा नहीं होने पर भूमि स्वतः राज्य सरकार में निहित हो जाएगी।''**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता के निवास पर पहुंचकर उनकी माता स्व. कमला देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। साथ ही शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाया।

जोधपुर के दो व्यापारियों से दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी

कॉल करने वाले ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई आरजू बिश्नोई बताया

- काल करने वाले ने कहा कि जीना चाहते हो तो दो दिन में पैसे तैयार रखो, दो दिन बाद फिर कॉल करूंगा
- पुलिस आयुक्त के निर्देश पर दोनों व्यवसायियों दीपक और मनीष को सुरक्षा के लिए दो गनमैन उपलब्ध कराए

जोधपुर, (कासं)। शहर के दो कारोबारियों को लारेंस के नाम पर दो करोड़ की रंगदारी के लिए धमकी मिली है। कारोबारियों ने पुलिस आयुक्त को इस बारे में बताया और अब चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में रिपोर्ट दी है। कॉलिंग के लिए इंटरनेट का इस्तेमाल किया गया है। आरोपियों ने दो दिन में दो करोड़ रंगदारी मांगी है, अन्यथा अंजाम भुगतने को कहा है। फिलहाल पुलिस अब गहनता से इस बारे में अनुसंधान में जुटी है। कॉल करने वाले ने खुद को कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई आरजू बिश्नोई बताया और कहा कि जीना चाहते हो तो दो दिन में पैसे तैयार रखो, दो दिन बाद फिर कॉल करूंगा।

व्यवसायी घबराकर पुलिस के पास पहुंचे :-बताया गया कि धमकी इतनी गंभीर थी कि दोनों कारोबारी घबरा गए और तुरंत पुलिस की शरण में पहुंचे। खतरे की आशंका को देखते हुए पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश के निर्देश पर दोनों व्यवसायियों दीपक और मनीष को सुरक्षा के लिए दो गनमैन उपलब्ध कराए गए हैं।

इंटरनेट कालिंग से धमकाया :-शास्त्री नगर के विजय नगर निवासी व्यवसायी दीपक और मनीष के मोबाइल पर 6 फरवरी की रात करीब 10 बजे इंटरनेट कॉल (वीपीएन के जरिए) आए। कॉल करने वाले ने एक-एक कर दोनों से बात की और खुद को लॉरेंस बिश्नोई का भाई आरजू बिश्नोई बताया। कॉलर ने न सिर्फ 2 करोड़ की मांग रखी, बल्कि यह भी साफ कर दिया कि पैसे नहीं मिले तो अंजाम भुगतना पड़ेगा। फिलहाल पुलिस तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कॉल की लोकेशन और नेटवर्क खंगालने में जुटी है।

आठ नौ साल पहले जोधपुर में लारेंस नाम का खौफ :-आठ नौ साल पहले लारेंस के नाम का टेरर जोधपुर के कारोबारियों पर मंडराया था। जोधपुर में रहे पुलिस तत्कालीन पुलिस आयुक्त अशोक राठौड़ ने लारेंस और उसकी गैंग से छुटकारा दिलाया था।

उस वक्त सरदारपुरा सी रोड पर एक कारोबारी की गोली मारकर हत्या भी हुई थी। निजी ट्रेवल एजेंसी संचालक को कई बार जान की धमकियां मिल चुकी है। उसी समय उसके घर के बाहर भी पुलिस का पहरा बैठाया गया था। एक बार फिर से लारेंस नाम की धमकी से कारोबारियों में खौफ बनता दिख रहा है। फिलहाल जांच पड़ताल के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

डूंगरपुर में मुंबई के दो फोटोग्राफर से नगदी व कैमरे लूटे

- दो बाइक पर आए छह बदमाशों ने हाइवे पर बंधकर बनाकर चाकू, तलवार और पत्थरों से हमला किया

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना इलाके में नेशनल हाईवे-48 पर बरोठी के पास कार सवार मुंबई के 2 फोटोग्राफर को बंधक बनाकर लूटपाट की वारदात हुई। चाकू, तलवार और पत्थरों से हमला किया, जिसमें कार ड्राइवर घायल हो गया। दो बाइक पर आए छह बदमाशों ने 20 हजार कैश, कार और फोटोग्राफर के कैमरे लूट लिए और फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

डूंगरपुर डीएसपी तपेंद्र कुमार ने बताया कि अमरसिंह सिसोदिया निवासी रानावाडा उदयपुर ने रिपोर्ट में बताया कि वह एक कंपनी का कार ड्राइवर है। मुंबई के फोटोग्राफर किरण पंवार निवासी पुणे, अमय कुमार निवासी मुंबई दोनों उदयपुर में एक इवेंट में फोटोग्राफी करने आए थे। रविवार रात करीब 11.30 बजे दोनों फोटोग्राफर को कार से लेकर अहमदाबाद एयरपोर्ट छोड़ने के लिए जा रहे थे। नेशनल हाइवे-48 पर रात करीब दो बजे बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में बरोठी के पास कार में पेट्रोल खत्म हो गया। ड्राइवर अमरसिंह कार को हाइवे के किनारे खड़ी कर पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने गया। दोनों फोटोग्राफर कार में ही बैठे रहे। इस दौरान एक बाइक पर तीन नकाबपोश बदमाश आए।

बदमाशों ने आते ही उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। चाकू, तलवार दिखाकर डराया धमकाया और पैसे मांगे। मना करने पर मारपीट करते हुए उन्हें बंधक की तरह कार के बाहर नीचे बैठा दिया। दोनों से मारपीट कर कार की तलाशी ली। इस दौरान एक बैग से 2०0 जार रुपए लूट लिए। वही बैग से लैपटॉप, कैमरे निकाल लिए। बदमाशों ने अमय कुमार के हाथ में पहली घडी भी उतार ली।

इस दौरान ड्राइवर अमरसिंह आ गया। बदमाशों ने उसके साथ भी मारपीट की। अमरसिंह के विरोध करने पर उसे तलवार से मारने की कोशिश की। अमरसिंह तलवार के हमले से बच गया, लेकिन उसके सिर पर बदमाशों ने पत्थर मार दिया। जिससे वह लहूलुहान हो गया। उसी दौरान छिपकर बैठे बदमाशों के तीन साथी भी बाइक लेकर और आ गए। सभी ने मिलकर मारपीट की। इसके बाद कार में पेट्रोल डालकर आरोपी कार लूटकर फरार हो गए। कार में मुंबई के दोनों फोटोग्राफर के महंगे ब्रांड के कैमरे के साथ ही कैश भी लूट लिया। वहीं बदमाशों ने पथराव भी किया, जिससे उन्हें चोटें आईं। सूचना के बाद गश्त पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन बदमाश पथराव करते हुए कार लेकर फरार हो गए। पुलिस अब बदमाशों की तलाश कर रही है।

अवैध गांजा व शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

टोंक में पुलिस ने अवैध गांजा जब्त किया।

टोंक, (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम प्रभारी ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने सोमवार को मालपुरा क्षैत्र के दूदू रोड पर शिवम बेकरी पर छापा मार कर आरोपी सांवरमल पुत्र नाथू लाल बैरवा निवासी दूदू रोड मालपुरा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 हजार का एक किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा एवं देशी शराब तथा खरीद फरोख्त राशि 15290 रुपए जब्त की है।

कार्यवाही के बाद थाना मालपुरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस व एक्साइज एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरु किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी लगातार मालपुरा इलाके में छोटे-छोटे पैकेट बनाकर गांजे की सप्लाई करता था। इसके अलावा डीएसटी टीम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के कालीपलटन में सट्टा खाईवाली करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 35085 नकद राशि व सट्टा खाईवाली की हिसाब की 16 डायरियां जब्त की है। आरोपियों के कब्जे से 5 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। डीएसटी प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के कालीपलटन ईलाके में सट्टा चलाते संचालक किशोर पुत्र कंवरीलाल खंगार को सट्टा खाईवाली करते हुए अन्य 10 लोगों को हिरासत में लिया गया। टीम ने बताया कि आरोपी काफी लम्बे समय से कल्याण नाईट, मधूर मोरनिंग, मधुर नाईट, मधुर डे, मिलन डे, मिलन नाईट, श्री नाईट, श्री डे आदि के नाम से सट्टा खाईवाली करते हुए मौक से डिटेन किया गया।

अजमेर में सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया

- नकदी, जेवर और पासपोर्ट चोरी कर फरार हो गए चोर

अजमेर, (कासं)। शहर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र स्थित ईदगाह गली नंबर एक, मस्जिद वाली गली में रहने वाले अब्दुल रहमान के सूने मकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बना लिया। चोर रोशनदान के रास्ते मकान में दाखिल हुए और अंदर रखे सामान को खंगालते हुए नकदी, जेवर और पासपोर्ट चोरी कर फरार हो गए।

मकान मालिक अब्दुल रहमान ने बताया कि शब-ए-बरात के त्यौहार के चलते उनके बच्चे और पत्नी अपने पीहर गए हुए थे। अब्दुल रहमान स्वयं पुष्कर रोड स्थित एक होटल में कुक का काम करता है और त्योहार के कारण वह भी पिछले दो दिनों से घर नहीं आया था। घटना का खुलासा तब हुआ जब पड़ोसियों ने मकान के मुख्यद्वार पर लगा ताला टूटा हुआ देखा और इसकी सूचना अब्दुल रहमान को दी। सूचना मिलने पर जब वह घर पहुंचा तो देखा कि चोरों ने मकान के अंदर रखा सामान बिखेर दिया है।

चोर एक बक्से में रखे करीब सात हजार रुपये नकद, सोने की चेन, कानों के जेवरात सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। इसके अलावा महत्वपूर्ण दस्तावेजों में शामिल पासपोर्ट भी चोरी हो गया। घटना की सूचना मिलने पर क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और वारदात स्थल का मौका मुआयना किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और अज्ञात चोरों की तलाश की जा रही है।

मसूदा क्षेत्र में दिखे दो लैपर्ड व शावक

मसूदा, (निसं)। मसूदा नगर पालिका के बाहरी क्षेत्र में रहकर लोगों को भयभीत करने वाले पैंथर ने नगर पालिका क्षेत्र में दो लैपर्ड व शावक ने आहट दे दी है। मामले के अनुसार मसूदा कस्बे के सदर बाजार निवासी भागचंद सोनी खेत पर निगरानी हेतु गए थे। इसी दौरान खेत के बीचों-बीच लगे एक बड़े पेड़ पर दो पैंथर आराम करते नजर आए, जिससे घबराकर भागचंद सोनी कस्बे में आ गए एवं मामले की जानकारी कस्बेवासियों को दी, जिसको लेकर मौके पर कस्बेवासियों के पहुंचने पर दो पैंथर एवं चार शावक खेत की बाड़ लांघकर समीप ही बजरंगलाल शर्मा के खेत में से होते हुए मुन्नालाल तेली के खेत में उगी सरसों की फसल में घुसकर छुप गए। उसकी सूचना कस्बे वासियों ने वन विभाग को दी। मौके पर पहुंचे वनपाल हजारीलाल ने सभी कस्बेवासियों को खेत से दूर रहने की सलाह दी।

जल संसाधन मंत्री ने निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट कार्य स्थल का निरीक्षण किया

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बूंदी के गुहाटा पहुंचकर निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट कार्य स्थल पर अभियंताओं से चर्चा कर परियोजना की जानकारी ली।

- चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है, जिसे जून, 2028 तक पूरा कर लिया जाएगा : रावत
- जल संसाधन मंत्री रावत ने करीब दो किलोमीटर पैदल चलकर हर एक पॉइंट का निरीक्षण किया और कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा कराने के निर्देश दिए

जयपुर/ बूंदी। पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लिए संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना (राम जल सेतु लिंक परियोजना) वरदान साबित होगी। इस जीवनदायिनी परियोजना के प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण करने सोमवार को जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत बूंदी के गुहाटा पहुंचे। उन्होंने निर्माणाधीन चंबल एक्वाडक्ट कार्य स्थल पर अभियंताओं से चर्चा कर परियोजना की विस्तृत जानकारी ली। रावत ने करीब दो किलोमीटर पैदल चलकर हर एक पॉइंट का गहनता से निरीक्षण किया। उन्होंने चंबल एक्वाडक्ट के कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय में पूरा कराने के निर्देश दिए।

जल संसाधन मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में सतत् प्रयासों से जल सुरक्षा की दिशा में एक्वाडक्ट मील का पत्थर साबित होगा। इसके कार्य मिशन मोड पर किए जा रहे हैं। चम्बल नदी पर 2.3 किलोमीटर लम्बाई में एक्वाडक्ट का निर्माण किया जा रहा है, जिसे जून, 2028 तक पूरा कर लिया जाएगा। रावत ने बताया कि राम राम सेतु लिंक परियोजना के प्रथम चरण के पैकेज-2 के अंतर्गत 2 हजार 330 करोड़ रुपए की लागत से एक्वाडक्ट बनाया जा रहा है। यह एक छोर में कोटा जिले की दीगोद तहसील के पीपलदा समेल गांव और दूसरे छोर में बूंदी जिले के इंद्रगढ़ तहसील के गुहाटा गांव से जुड़ेगा। इसके बनने से कालीसिंध नदी पर निर्मित नवनेरा बैराज से पानी पम्प हाउस से लिफ्ट कर मेज नदी में छोड़ा जाएगा। इसके बाद मैज बैराज से पम्प हाउस व फीडर के जरिए गलवा बांध तक और वहां से बीसलपुर और ईसरदा बांध में पहुंचाया जाएगा। इस एक्वाडक्ट के बनने से आमजन को आवागमन के लिए अतिरिक्त मार्ग भी उपलब्ध होगा। चम्बल नदी पर बन रहे एक्वाडक्ट की लम्बाई 2280 मीटर है। एक्वाडक्ट की आंतरिक चौड़ाई 41.25 मीटर और ऊंचाई 7.7 मीटर है। मई, 2025 में कार्य शुभारंभ किया गया। इस दौरान रावत ने विभाग के अभियंताओं और श्रमिकों द्वारा समयबद्ध कार्यों को गति देने के लिए तारीफ की।

रावत ने बताया कि यह परियोजना मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदृष्टि और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का सबसे बड़ा उदाहरण है। जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में यह परियोजना प्रदेश के लिए जीवनदायिनी सिद्ध होगी और मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान जल आत्मनिर्भरता की ओर मजबूती से अग्रसर होगा। रावत ने बताया कि ईआरसीपी को वृहद स्वरूप देते हुए संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना (लगभग 90 हजार करोड़ रूपए) तैयार की गई है। परियोजना के प्रथम चरण में राज्य के 17 जिलों की लगभग 3 करोड़ 25 लाख आबादी को पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही, सिंचाई एवं उद्योगों के लिए भी जल उपलब्ध होगा। इससे प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई दिशा मिलेगी। निरीक्षण के बाद रावत ने अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक ली।

बैंक से 2.92 करोड़ का लोन लेकर धोखाधड़ी की

दाल मिल लगाने के लिए एक फर्म ने लोन लिया था

बीकानेर, (निसं)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अलग-अलग शाखाओं से लोन लेकर करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं।

खारा औद्योगिक क्षेत्र में दाल मिल लगाने के लिए एक फर्म ने एसबीआई की रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र की शाखा से 2023 में दो करोड़ का टर्म लोन लिया था। फर्म को एक करोड़ की कैश क्रेडिट लिमिट दी गई थी। लोन के डिस्बर्समेंट के समय अन्य सप्लायर्स से मशीनरी की खरीद दिखाकर उसके खाते में लोन की रकम जमा कराई गई। आरोप है कि बैंक की बिना सहमति मशीनरी की संख्या भी बढ़ा दी गई। इस धोखाधड़ी से ऋणी और गारंटरों को दो करोड़ 92 लाख 67 हजार 900 रुपए का फायदा हुआ। बैंक लोन की वसूली न होने एवं दृष्टिबंधक माल के खुर्द-बुर्द होने के कारण बैंक को इतना ही नुकसान पहुंचा है। बैंक को दिए गए कोटेशन बिल और रसीद के आधार पर जो प्रस्तावित प्लांट एवं मशीनरी संबंधित फर्म से खरीद की जानी थी, वो मौके पर नहीं मिली। शाखा प्रबंधक आशीष गुप्ता ने मैसर्स साइनिंग लिंक्स प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व व मैसर्स ड्यून्स प्राइम लिमिटेड के वर्तमान निदेशक नंदकिशोर बजाज, नीरज जोशी, चित्रा भाटी, तपस गहलोत, कविता भाटी, करणी सिंह भाटी, ललित कुमार भाटी के खिलाफ कोटगेट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

कैफे में देर रात तक तेज म्यूजिक बजाने पर हंगामा

- पुलिस ने संचालक को हिरासत लिया

उदयपुर, (कासं)। शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र में चांदपोल स्थित जाडा गणेशजी के पास बने अनप्लान कैफे में देर रात तक तेज म्यूजिक बजने से क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। नाराज क्षेत्रवासियों ने कैफे के बाहर एकत्रित होकर हंगामा कर दिया और नारेबाजी की। सूचना मिलते ही अंबामाता थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जहां पुलिस ने साउंड सिस्टम जब्त कर कैफे संचालक प्रदीप परिहार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि रोज कैफे रात करीब 12 से 1 बजे तक खुला रहता है। टूरिस्ट नशे की हालत में कई बार झगड़ते हुए निकलते हैं। बाहर अव्यवस्थित गाड़ियां पार्क करते हैं जिससे आने-जाने वालों को परेशानी होती है। देर रात तक तेज साउंड बजाने से लोग ठीक से सो नहीं पाते। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत कई बार पुलिस प्रशासन को की गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

एसआई अजयराज सिंह ने बताया कि लोगों की शिकायत थी कि कैफे में देर रात तक टूरिस्ट आते हैं और उनके मनोरंजन के लिए तेज आवाज में साउंड बजाया जाता है। जिससे आसपास लोग परेशान हैं। पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और साउंड सिस्टम जब्त किया। वहीं उन्होंने बताया कि रेस्टोरेंट संचालक प्रदीप परिहार को भी हिरासत में पूछताछ की। संचालक ने पूछताछ में बताया कि एक स्थानीय युवक कैफे में आया और ड्रिंक की डिमांड करते हुए इनोसेंस पैदा करने लगा। उसे मना किया तो विरोध पर उतर आया। एसआई ने बताया कि मामले में जांच जारी है।

जेल में जर्दे के पैकेट फेंके, दो जनों को पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। देर रात एक बजे के बाद दो शख्स जेल परिसर में घुस गए। दीवार के ऊपर से बंदियों के लिए जर्दे के पैकेट फेंके। टॉवर पर ड्यूटी कर रहे आरएसी के जवानों की नजर पड़ी तो दोनों लोगों का पीछा कर पकड़ लिया। पुलिस पूरे मामले की जांच करेगी।

जानकारी के अनुसार नोखा में रासीसर बड़ा निवासी मूलाराम उर्फ मूलचंद एवं जामसर में मोलानिया निवासी ओमप्रकाश रात को एक बजे बाद जेल परिसर में घुस गए। दोनों ने टॉवर संख्या 4 और 6 के बीच पहुंचकर जेल की मुख्य दीवार के ऊपर से बंदियों के लिए जर्दे के पैकेट फेंक दिए। इस दौरान टॉवर संख्या एक पर ड्यूटी कर रहे आरएसी के जवान सुभाषचन्द्र की नजर पड़ी और शक हुआ तो उसने टॉवर संख्या 4 पर ड्यूटी कर रहे आरएसी के जवान धनसिंह को सूचना दी। आरएसी डी कंपनी की13वीं बटालियन के जवान सतर्क हो गए जिन्हें देखकर दोनों अभियुक्त मौके से भागने लगे। जवानों ने उनका पीछा किया और बजरी की खानों की तरफ़ दोनों को पकड़ लिया। उनके पास से जर्दे के तीन पैकेट बरामद हुए। पूछताछ में बताया कि 7 पैकेट अंदर फेंके थे। आरएसी के जवानों ने जेल कार्मिकों को सूचना दी तो मुख्य प्रहरी कबीर व महिला प्रहरी अंगूरी मीणा अस्पताल के पास पहुंचे और खोजबीन की तो वार्ड नंबर 6 में बैरक संख्या 22 के पीछे जर्दे के 2 पैकेट बरामद हो गए। बैरक की छतपर तलाशी ली तो वहां से 5 पैकेट और मिल गए। जर्दे के कुल 10 पैकेट बरामद हुए जिन पर ब्राउन टेप लगा रखी थी। पकड़े गए दोनों अभियुक्त और जर्दे के पैकेट बीछवाल थाना पुलिस को सौंप दिए।

विराटनगर में ट्रांसफार्मरों से सामान चोरी

पावटा, (निसं)। विराटनगर पुलिस थाना क्षेत्र में विद्युत ट्रांसफार्मर चोर गिरोह बेखौफ होकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसा ही एक मामला पालड़ी ग्राम व पालड़ी तिराहे का है जहा सड़क के पास लगे विद्युत ट्रांसफार्मर को अज्ञात चोर तोड़कर उसमें से कीमती सामान कॉपर की वायर व ऑयल चुराकर फरार हो गए। सुबह ग्रामीणों ने जब विद्युत ट्रांसफार्मर टूटा हुआ देखा तो पुलिस के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस को सूचना दिए लगभग तीन घंटे हो गए, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। विद्युत विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया। ग्रामीणों का कहना है कि अगर पुलिस ने अब भी सख्ती नहीं दिखाई तो हालात और बिगड़ेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि इस चोर गिरोह का जल्द से जल्द पर्दाफाश किया जाए ताकि ऐसी वारदातें दुबारा नहीं हो। वहीं बागावास चौरासी के पास शनिवार रात बदमाशों ने ट्रांसफार्मर को निशाना बना उसे पोल से उतारकर तोड़ दिया और उससे कॉपर तथा तेल चोरी कर ले गए। घटना के चलते पूरे इलाके की बिजली आपूर्ति बाधित रही। जिससे ग्रामीणों को रातभर अंधेरे में भारी परेशानी झेलनी पड़ी। रविवार सुबह ग्रामीणों को ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त अवस्था में मिला, जिसके बाद उन्होंने बिजली विभाग को सूचना देकर नया ट्रांसफार्मर शीघ्र लगाने की मांग की। सूचना पर बिजली विभाग के लाइनमैन विनोद कुम्हार तथा भाबरू थाने से पुलिसकर्मी रामरतन बैरवा व अशोक मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

इंश्योरेंस के नाम पर 20.50 लाख ठगने वाले दो शातिर गिरफ्तार

- दौसा पुलिस ने दिल्ली में फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया
- पुलिस ने 10 मोबाइल फोन, 19 सिम कार्ड और एक लैपटॉप जब्त किया

दौसा, (निसं)। सायबर थाना पुलिस और सायबर सेल की संयुक्त टीम ने दिल्ली में चल रहे एक संगठित फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इंश्योरेंस पॉलिसी के नाम पर लालसोट के एक व्यक्ति से 20 लाख 50 हजार रुपये की ठगी करने वाले दो मास्टरमाइंड अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार लालच का जाल और 20 लाख 50 हजार की ठगी का यह खेल 22 जनवरी को सामने आया, जब राजौली (लालसोट) निवासी नंदकिशोर बैरवा ने रिपोर्ट दर्ज कराई। ठगों ने सौरभ अग्रवाल बनकर पीड़ित को फोन किया और खुद को एसबीआई इंश्योरेंस का दिल्ली हेड ऑफिस कर्मचारी बताया। पीड़ित को झांसा दिया गया कि उनकी पॉलिसी का शेयर मार्केट में लगा पैसा बढ़ गया है और 2 लाख 47 हजार रुपये का बेनिफिट लैप्स होने वाला है। इसके बाद ठगों ने अलग-अलग किरदार निभाए कोई अकाउंटेंट आर.के. भंडारी बना तो कोई सीनियर अकाउंटेंट रुद्रवीर। एनओसी, गोल्ड फाइल चार्ज और टैक्स के नाम पर गुमराह कर आरोपियों ने पीड़ित से 20 लाख 50 हजार 998 रुपये विभिन्न खातों में ट्रांसफर करवा लिए। एसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों का पीछा करते हुए दिल्ली के गोविंदपुरी और लोनी बॉर्डर इलाके में दबिश दी। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों मुकेश कुमार निवासी अमरोहा (यूपी), हाल निवासी गोविंदपुरी दिल्ली, जीत सिंह निवासी करावल नगर (दिल्ली) हाल निवासी गाजियाबाद (यूपी) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से वारदात में इस्तेमाल 10 मोबाइल फोन, 19 सिम कार्ड और एक लैपटॉप जब्त किया है। करोड़ों की ठगी का पुराना रिकॉर्ड जांच में सामने आया कि ये आरोपी शातिर अपराधी हैं और पहले भी 43 लाख रुपये की सायबर ठगी के मामले में जेल जा चुके हैं। पूछताछ में इनसे अब तक करोड़ों रुपये की ठगी के सुराग मिले हैं। ये आरोपी संगठित तरीके से कॉल सेंटर चलाते थे और फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल कर लोगों की जमा पूंजी डकार जाते थे। आरोपी लोगों को उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी मैच्योर होने या भारी-भरकम बोनस मिलने का लालच देते थे। विश्वास जीतने के लिए वे बैंक अधिकारियों जैसे भारी-भरकम पदनामों का उपयोग करते थे। एक बार व्यक्ति झांसे में आ जाता, तो वे फाइल क्लीयरेंस, जीएसटी और स्टाम्प ड्यूटी के नाम पर किस्तों में पैसे मांगना शुरू कर देते थे। किसी भी अनजान कॉल पर अपनी पॉलिसी या बैंक संबंधी जानकारी साझा न करें।

टीटीई ने ट्रेन में मिला पर्स लौटाया

जोधपुर, (कासं)। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में तैनात टीटीई ने सजगता और ईमानदारी का परिचय देते हुए ट्रेन में छूटा गहनों, नकदी, मोबाइल एवं आवश्यक दस्तावेजों से भरा लेडिस पर्स उसकी मालकिन पायल गहलोत को सकुशल लौटाकर ईमानदारी का परिचय दिया। जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि मंडल पर कार्यरत सीटीआई मुराद अली खान सोमवार को ट्रेन संख्या 19223 साबरमती-जम्मूतवी एक्सप्रेस में जोधपुर से टिकट जांच ड्यूटी के लिए सवार हुए थे। इस दौरान कोच संख्या ए-1 की सीट नंबर 36 पर उन्हें एक लेडिस पर्स मिला। चैक करने पर उसमें गहने, नकद राशि, मोबाइल फोन तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज मिले। सीटीआई मुराद अली खान ने एचएचटी मशीन के माध्यम से हाथोंहाथ सीट नंबर के आधार पर संबंधित यात्री का विवरण प्राप्त किया।

फायरिंग प्रकरण में बाबा गैंग का सदस्य गिरफ्तार

- गिरफ्तार आरोपी सचिन पोसवाल पुत्र रामकरण गुर्जर निवासी अरनिया थाना चंदवाजी जिला जयपुर का रहने वाला है

पावटा, (निसं)। कस्बा शाहपुरा स्थित ब्रॅदर्श टूर एंड ट्रेवल्स (बीआरजी कार रेंटल) कार्यालय पर हुई फायरिंग मामले में शाहपुरा पुलिस ने बाबा गैंग के मुख्य सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को जयपुर से डिटेन कर बापर्दा गिरफ्तार किया है तथा अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

उप महानिरीक्षक पुलिस सह पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राशि डोगरा डूडी ने बताया कि परिवादी मोहित पुत्र हरफूल जाट निवासी बुचारा थाना प्रागपुरा जिला कोटपुतली-बहरोड़ ने मामला दर्ज करवाया था कि 5 फरवरी 2026 को शाम को चिन्टू मीणा, विजेन्द्र ढीलाण व अन्य आरोपी दो अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर सवार होकर शाहपुरा स्थित बीआरजी कार रेंटल कार्यालय पहुंचे और फायरिंग कर मौके से फरार हो गए।

इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा रणवीर सिंह एवं वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के सुपरविजन तथा थानाधिकारी शाहपुरा पुलिस निरीक्षक रिया चौधरी के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने तकनीकी सहायता एवं मुखबिर तंत्र के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान सामने आया कि बाबा गैंग के सदस्यों ने आपसी वर्चस्व को लेकर इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने गैंग के सक्रिय सदस्य सचिन पोसवाल को जयपुर से डिटेन कर बापर्दा गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि बीआरजी कार रेंटल संचालक द्वारा किराये पर कार देने से मना करने पर रंजिश के चलते फायरिंग की गई थी। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है तथा अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी सचिन पोसवाल पुत्र रामकरण गुर्जर निवासी अरनिया थाना चंदवाजी जिला जयपुर का रहने वाला है।

हार्दिक पांड्या के साथ खेलना या उनसे मिलना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। उन्होंने साफ कहा कि वह उनके खिलाफ गेंदबाजी करने से ज्यादा उनसे सीखने और बातचीत करने को उत्सुक हैं। - थॉमस ड्राका

पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव को लेकर बोलते हूए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ दक्षिणेश्वर सुरेश

दक्षिणेश्वर सुरेश ने यादगार प्रदर्शन करते हुए निर्णायक पांचवां मुकाबला अपने नाम कर भारत को रविवार को डेविस कप में नीदरलैंड पर 3 . 2 से जीत दिलाई जिससे भारत ने क्वालीफायर्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया। दूसरी बार डेविस कप खेल रहे 25 वर्ष के दक्षिणेश्वर ने दोनों एकल मुकाबले और युकी भांबरी के साथ युगल मुकाबला जीता जिससे लिएंडर पेस के 2004 में जापान के खिलाफ किये गए चमत्कारिक प्रदर्शन की याद जाता हो गई। पेस ने उस समय दोनों एकल और एक युगल मैच जीतकर अकेले दम पर भारत को जीत दिलाई थी।

क्या आप जानते हैं ?...दोनों टीमों के बीच कुल 211 मैच खेले गए हैं, जिनमें पाकिस्तान ने 88 और भारत ने 80 मैच जीते हैं। टेस्ट और वनडे में पाकिस्तान ने भारत से अधिक मैच जीते हैं।

साउथ अफ्रीका ने कनाडा को 57 रन से हराया

अहमदाबाद, 9 फरवरी। साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के 9वें मैच में कनाडा को 57 रन से हरा दिया है। यह अफ्रीकी टीम की पहली जीत है। इस जीत के साथ टीम ग्रुप डी के पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कनाडा ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 213 रन बना दिए। यह मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर है। साउथ अफ्रीका के कप्तान ऐडन मार्करम ने 32 बॉल पर 59 रन की पारी खेली। डेविड मिलर ने 39 और ट्रिस्टन स्टब्स ने 34 रन बनाए। कनाडा के अंश पटेल ने 3 विकेट लिए। जवाब में कनाडा 20 ओवर के बाद 8 विकेट के नुकसान पर 156 रन तक ही पहुंच सकी है। नवनीत धालीवाल ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए। हर्ष ठाकर ने 33 रन का योगदान दिया।

जम्मू-कश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 9 फरवरी। जम्मू-कश्मीर की टीम ने इतिहास रचते हुए क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश को 56 रन से हराया। पहली बार जम्मू-कश्मीर की टीम ने रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मैच में आकिब नबी ने पहली पारी में 7 और दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर कुल 12 विकेट मैच में झटके। इस खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। इंदौर के होलकर स्टेडियम में पहले बैटिंग करते हुए जम्मू-कश्मीर 194 रन पर ऑलआउट हो गया। शुभम खजुरिया ने 60 और युद्धवीर सिंह चरक ने 41 रन बनाए। कुलदीप सेन ने 5 विकेट लिए। मध्य प्रदेश अपनी पहली पारी में 152 रन पर ही सिमट गया। यश दुबे ने फिफ्टी लगाई। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 40 रन देकर 7 विकेट लिए। सुनील कुमार को 3 विकेट मिले।

दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर ने फिर एक बार निचले क्रम के बैटर्स की मदद से 248 का स्कोर बना दिया। वंशराज शर्मा ने 54 रन बनाए। कुलदीप सेन ने 4 विकेट लिए। मध्य प्रदेश 291 रन का टारगेट मिला। इसके जवाब में टीम 234 रन पर ऑलआउट हो गई।

जयपुर के स्थानीय गणपति नगर रेलवे ग्राउंड पर इंटर डिवीजन क्रिकेट टूर्नामेंट का आगाज

जयपुर, 9 फरवरी। गौरव मीना और धर्मवीर कुमार सैनी के शानदार प्रदर्शन से जयपुर डिविजन रेलवे की टीम जीती। पहले बल्लेबाजी करते हुए अजमेर डिवीजन ने 125 रन बनाए। जिसमें निखिल डोरू व प्रदुमन पारीक ने 23-23 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में गौरव मीना ने 3 विकेट व लखन भारती ने 2 विकेट लिए। जवाब में जयपुर डिवीजन की टीम ने 15.2 ओवर में 126 बना कर जीत दर्ज की। जिसमें धर्मवीर कुमार सैनी ने 81 रन व अंशुल गढ़वाल ने 32 रन बनाए। मैन ऑफ़ द मैच धर्मवीर कुमार सैनी। डीआरएम व प्रेसिडेंट जेडीसीए रवि जैन सर व सेक्रेटरी जेडीसीए सीनियर डीएससी आरपीएफ कमांडर ओंकार सिंह सर व अर्जुन अवार्ड खेलकूद संघ के स्पोर्ट्स ऑफिसर जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पधारे।

राजस्थान यूथ ने जयपुर क्लब को हराया, भावित कुमावत का शतक

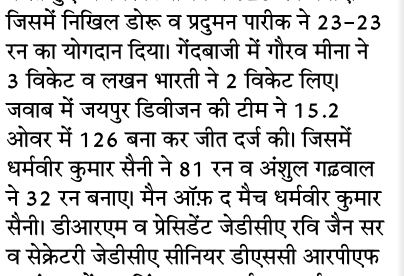

जयपुर, 9 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित व वन रियलिटी द्वारा प्रायोजित के एल सैनी ए डिवीजन लीग में आज के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में राजस्थान क्रिकेट क्लब ने जयपुर क्लब को 52 रनो से हराया। जयपुर क्लब ने टॉस जीतकर पहले राजस्थान यूथ क्लब को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया । राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब ने भावित कुमावत के 127 रन (121 गेंद, 10 चौके व 5 छक्के) रन, कुमार वासुदेव के 24 रन, भुवनेश शर्मा के 31 रन, अभय शर्मा के 43 रन, भगवत सिंह के 37 रन रिहान अली के 33 रन नाबाद व हिमांशु राणा के 41 रनो से 50 ओवर में 8 विकेट पर 383 रनो का विशाल स्कोर बनाया। जयपुर क्लब के लिए निखिल कोहली ने 98 पर 5, हर्षित शर्मा ने 70 पर 2, लोहित केवलिया ने 59 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर क्लब की टीम विवेक सैनी के 24 रन, दक्ष कासलीवाल के 51 रन, मोहम्मद खूबेब के 27 रन, अनिकेत श्रीवास्तव के 50 रन, अर्णव गौतम 51 रन से 45.1 ओवर में 331 रन बनाकर आउट हो गई । राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब के लिए शुभम खंडेलवाल ने 56 पर 3, भुवनेश शर्मा ने 40 पर 2, हिमांशु राणा ने 70 पर 2, रोहन सिंह ने 50 पर 2 व रिहान अली ने 55 पर एक विकेट लिया।

आईसीसी ने पाकिस्तान की तीनों शर्तें खारिज की, मोहसिन नकवी को 24 घंटे का अल्टीमेटम

नई दिल्ली, 9 फरवरी। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के साथ द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को फिर से शुरू करने की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मांग को खारिज कर दिया है। यह ध्यान देने योग्य है कि पीसीबी ने ये मांगें तब रखीं जब पाकिस्तान सरकार ने चल रहे टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद एक बैठक हुई थी। यह उल्लेखनीय है कि टी20 विश्व कप के बहिष्कार विवाद के मद्देनजर पीसीबी ने आईसीसी के सामने तीन मांगें रखीं; बोर्ड ने भारत के साथ द्विपक्षीय श्रृंखलाओं को फिर से शुरू करने की मांग की, साथ ही भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला की भी मांग की।

इसके अलावा, उन्होंने सितंबर में प्रस्तावित श्रृंखला के लिए भारत के बांग्लादेश दौरे का भी अनुरोध किया। हालांकि, आईसीसी ने इन मांगों को खारिज कर दिया है। खबरों के मुताबिक, बोर्ड ने कहा है कि उनके पास भारत टीम को पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने की अनुमति देने का अधिकार क्षेत्र नहीं है। यह अधिकार बीसीसीआई के पास है, और बोर्ड भारतीय सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करेगा। यह उल्लेखनीय है कि आईसीसी ने लाहौर में अपनी बैठक के बाद पीसीबी को 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच में भाग लेने या न लेने के संबंध में अंतिम निर्णय देने के लिए एक दिन का समय दिया था। आईसीसी ने पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से परामर्श करने और बोर्ड के रुख की पुष्टि करने के लिए एक दिन का समय दिया है। वैश्विक शासी निकाय द्वारा भारत-पाकिस्तान मैच की स्थिति पर सोमवार शाम या मंगलवार सुबह आधिकारिक घोषणा किए जाने की उम्मीद है। रविवार को पांच घंटे से अधिक चली इस बैठक में पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी और आईसीसी के उपाध्यक्ष इमरान ख्वाजा भी उपस्थित थे। गौरतलब है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल भी चर्चा में शामिल होने के लिए लाहौर आए थे। यह बैठक तब हुई जब बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के भारत में मैच खेलने से इनकार करने के बाद बांग्लादेश को टी20 विश्व कप से बाहर करने के खिलाफ मतदान करने वाला पाकिस्तान एकमात्र सदस्य देश बनकर उभरा।

टी20 विश्व कप

भारत - पाकिस्तान मैच पर सस्पेंस, आखिरी फैसला लेंगे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

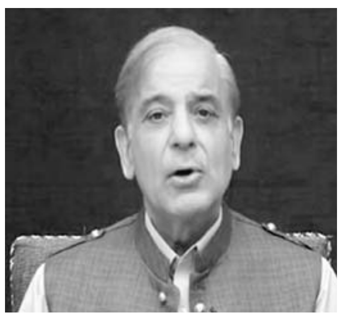

नई दिल्ली, 9 फरवरी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ इस बात पर अंतिम फैसला लेंगे कि क्या पाकिस्तान 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करेगा या नहीं। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी सोमवार को शरीफ से मुलाकात करेंगे और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई अपनी बैठक की जानकारी देंगे।

आईसीसी के उप-अध्यक्ष इमरान ख्वाजा, पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी और बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के नेतृत्व में एक आईसीसी प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को लाहौर में मुलाकात की और 15 फरवरी को कोलंबो में होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ होने वाले मैच के पाकिस्तान के बहिष्कार के फैसले पर चर्चा की। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि लंबी बातचीत समाप्त हो गई है और उम्मीद है कि अगले कुछ घंटों में आपसी परामर्श से विवाद का समाधान हो जाएगा। इमरान ख्वाजा, मोहसिन नकवी और अमीन उल इस्लाम के बीच एक रोडमैप को अंतिम रूप दे दिया गया है।

जिम्बाब्वे के तिगड़ी गेंदबाजों का जलवा, ओमान को 8 विकेट से धो डाला

नई दिल्ली, 9 फरवरी। सोमवार को कोलंबो के सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के आठवें मैच में जिम्बाब्वे ने ओमान को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। ग्रुप बी के इस मुकाबले में जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट 36 गेंदों पर 48 रन बनाकर नाबाद रहे और सिकंदर रजा की अगुवाई वाली जिम्बाब्वे ने 104 रनों के मामूली लक्ष्य का आसानी से पीछा कर लिया। विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने भी चोटिल होकर आउट होने से पहले 31 रनों की शानदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके लगाए। रजा ने विजयी चौका लगाकर जीत दिलाई।

बेनेट के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करते हुए तादिवानाशे मारुमानी ने भी 11 गेंदों पर 21 रन जोड़े। ओमान के लिए सूफयान महमूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन ओवर में 12 रन देकर दो विकेट लिए। इससे पहले, पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुनते हुए, जिम्बाब्वे को पहली सफलता तब मिली जब ब्लेसिंग मुजरबानी ने दूसरे ओवर में ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह को आउट कर दिया। अगले ओवर में रिचर्ड नगारवा ने हम्माद मिर्जा को आउट किया, जब ब्रेंडन टेलर ने विकेट के पीछे एक शानदार कैच लेकर काम पूरा किया।

स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से हराया

नई दिल्ली, 9 फरवरी। स्कॉटलैंड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। सोमवार को ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने डेब्यू कर रही इटली टीम को 73 रन से शिकस्त दी। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले गए इस मैच में इटली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन स्कॉटलैंड के बल्लेबाजों ने इस फैसले को गलत साबित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए, जो इस वर्ल्ड कप का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर रहा। टारगेट का पीछा करते हुए इटली की टीम 17.4 ओवर में 9 विकेट खोकर 134 रन ही बना सकी। इटली के कप्तान वेन मैडसेन कंधे में चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं उतर सके। स्कॉटलैंड की जीत में ओपनर जॉर्ज मुन्से की अर्धशतकीय पारी अहम रही। मुन्से ने 84 रन बनाए, जबकि उनका विकेट ग्रांट स्टीवर्ट ने लिया, जो इटली के टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का पहला विकेट भी रहा। इटली की टीम इस टूर्नामेंट के जरिए पहली बार वर्ल्ड कप में उतरी है। मुन्से के अलावा ब्रैंडन मैकमुलेन ने नाबाद 41 रन बनाए और माइकल जोन्स ने 37 रन का योगदान दिया। वहीं, माइकल लीस्क ने महज 5 गेंदों पर नाबाद 22 रन ठोके और गेंदबाजी में भी 4 विकेट झटके।

प्रीमियर लीगः लिवरपूल के खिलाफ फैसले पर भड़के हालैंड, वीएआर विवाद के बीच मैनचेस्टर सिटी की बड़ी जीत

नई दिल्ली, 9 फरवरी। एंफील्ड में जो कुछ हुआ, उसकी गूंज अब भी फुटबॉल जगत में सुनाई दे रही है। लिवरपूल के खिलाफ इंजरी टाइम में रयान चेरकी के गोल को रद्द किए जाने और डोमिनिक सोबोस्लाई को रेड कार्ड दिखाए जाने के फैसले पर मैनचेस्टर सिटी के मैच विनर एरलिंग हालैंड ने खुलकर नाराजगी जताई।

प्रीमियर लीग के इस मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी 2-1 से आगे चल रही थी, तभी 99वें मिनट में एक विवादास्पद घटना सामने आई, जिसने पूरे मैच की चर्चा को दिशा दे दी। लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन सेट पीस के दौरान आगे आए हुए थे, इसी बीच चेरकी ने अपने ही हाफ से लंबा पास खेला, जिस पर हालैंड तेजी से गोल की ओर बढ़े।

मौजूद जानकारी के अनुसार, हालैंड को रोकने की कोशिश में सोबोस्लाई ने उन्हें पीछे से खींचा, जो साफ तौर पर गोल करने के अवसर को रोकना माना गया। इसके बाद हालैंड ने भी जवाबी प्रतिक्रिया में सोबोस्लाई को पकड़ लिया, जब वह गेंद को गोल लाइन से क्लियर करने की कोशिश कर रहे थे। गेंद नेट में चली गई और सिटी खिलाड़ियों ने जश्न मनाना शुरू कर दिया।

हालांकि वीएआर जांच के बाद चेरकी का गोल रद्द कर दिया गया और शुरुआती फाउल के लिए सोबोस्लाई को रेड कार्ड दिखा दिया गया। इस फैसले ने मैदान के बाहर बहस को और तेज कर दिया।

मैच के बाद स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए हालैंड ने कहा कि नियमों का पालन जरूरी है, लेकिन इस फैसले से उन्हें व्यक्तिगत तौर पर निराशा हुई। उन्होंने कहा कि सोबोस्लाई को तीन मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ेगा, जो उन्हें सही नहीं लगता। हालैंड के अनुसार, गोल को मान्य कर देना ज्यादा बेहतर विकल्प होता, बजाय इसके कि किसी खिलाड़ी को रेड कार्ड दिया जाए।

गौरतलब है कि यह फैसला मैच के नतीजे को तो नहीं बदल सका, लेकिन चर्चा का बड़ा विषय जरूर बन गया हैं। मैनचेस्टर सिटी ने एंफील्ड में 2021 के बाद पहली बार जीत दर्ज की। इससे पहले मुकाबले में लिवरपूल ने सोबोस्लाई के शानदार फ्री-किक गोल से बढ़त बनाई थी, जिसे बर्नार्डो सिल्वा ने बराबर किया। इसके बाद स्टॉपेज टाइम में एलिसन द्वारा मैथियस नूनेस पर किए गए फाउल पर सिटी को पेनल्टी मिली, जिसे हालैंड ने आत्मविश्वास के साथ गोल में बदला।

इस जीत के साथ पेप गार्डियोला की टीम खिताबी दौड़ में मजबूती से आगे बढ़ रही है और अब वह शीर्ष पर मौजूद आर्सेनल से सिर्फ छह अंक पीछे है, जबकि लीग में अभी 13 मुकाबले बाकी हैं। विवाद चाहे जितना भी हो, सिटी के लिए यह जीत बेहद अहम साबित हुई है और उसका असर अंक तालिका पर साफ दिखाई दे रहा है।

लिंडसे वॉन के लिए राफेल नडाल का भावुक संदेश

नई दिल्ली, 9 फरवरी। विंटर ओलंपिक में अमेरिकी स्कीइंग स्टार लिंडसे वॉन के साथ हुआ हादसा अब इंसानी जज़्बे की कहानी कह रहा है। बता दें कि इस दर्दनाक घटना के बाद टेनिस के दिग्गज खिलाडी राफेल नडाल ने वॉन के लिए भावुक संदेश साझा किया हैं। नडाल ने कहा कि लिंडसे वॉन साहस की मिसाल हैं और उनकी मजबूती लाखों खिलाड़ियों को प्रेरित करती हैं। उन्होंने वॉन को मजबूत रहने और जल्द स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दी। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह हादसा इटली के कोर्टिना डी'अम्पेज़ो में डाउनहिल स्पर्धा के दौरान हुआ हैं। रेस शुरू होने के कुछ ही सेकंड बाद तेज रफ्तार में वॉन का संतुलन बिगड़ा, वह हवा में घूमती हुईं और बर्फ पर जोर से जा गिरी हैं। धूप भरे मौसम के बावजूद यह दुर्घटना बेहद गंभीर रही।

तारिक क्रिकेट एकेडमी की जीत में विनय, तविश व निखिल चमके

जयपुर, 9 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम मुमताज खान स्मृत्ति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत संस्कार ठाउण्ड में खेले गये मैच में तविश शर्मा 86 रन की शानदार पारी तथा निखिल 13 रन पर 5 विकेट व विनय शर्मा 21 रन पर 4 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत संस्कार क्रिकेट एकेडमी को 174 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश किया जंहा उसका मुकाबला नैना एकेडमी व एनबी एकेडमी के मध्य होने वाले कल दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से बुद्धवार 11 फरवरी को नैना एकेडमी ठाउण्ड जगत पुरा में होगा।

टॉस जीतकर तारिक एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन 69 रन बनते बनते उनके 5 मुख्य बल्लेबाज आउट हो गये। निचले के बल्लेबाज तविश शर्मा 86 रन (60 गेंद, 9 चोके 4 छक्के) में पहले उदित 39 रन के साथ मिलकर 92 रन की साझेयदारी निभाई। उसके बाद विनय शर्मा 20 रन के साथ मिलकर अपनी टीम को स्कोर आल आउट होने से पहले 35.3 ओवर में स्कोर 209 रन पहुंचा दिये। गेंदबाजी में संस्कार एकेडमी की ओर से रूद्र 25 रन पर 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे जबकि कलरव व बादल पायला प्रत्येक 2-2 विकेट लेकर अन्य सफल गेंदबाज रहे।

जवाबी पारी में संस्कार एकेडमी की टीम निखिल 13 रन पर 5 विकेट तथा विनय शर्मा 21 रन पर 4 विकेट की गेंदबाजी के समक्ष बिल्कुल नहीं टीक सकी ओर 102 ओवर में मात्र 35 रन पर सिमट गयी। इस मैच का मैन ऑफ द मैच विनय शर्मा तारिक क्रिकेट एकेडमी रहें ।

वैभव सूर्यवंशी बने भारतीय क्रिकेट के नए सुपरस्टार - गौतम गंभीर

नई दिल्ली, 9 फरवरी। शुक्रवार को हरारे में खेले गए अंडर-19 विश्व कप फाइनल में भारत ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया। इस जीत के नायक वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज़ 80 गेंदों में 175 रन की अविश्वसनीय पारी खेली। यह अंडर-19 विश्व कप फाइनल इतिहास का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा। गौरतलब है कि भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करने का फैसला किया था। वैभव ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के गेंदबाज़ों पर दबाव बना दिया। 15 चौके और 15 छक्कों से सजी उनकी पारी ने स्कोरबोर्ड को तेजी से आगे बढ़ाया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 53 रन की संयमित पारी खेली, जबकि अभिज्ञान कुंडू ने 40 रन जोड़कर रनगति बनाए रखी। भारतीय टीम 411/9 के विशाल स्कोर तक पहुंची।

जवाब में इंग्लैंड की शुरुआत ठीक रही, लेकिन मध्यक्रम लड़खड़ा गया। 142/2 से टीम 177/7 तक सिमटती चली गई। मौजूद जानकारी के अनुसार, केलैब फाल्कनर ने अकेले दम पर 67 गेंदों में 115 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा था कि इंग्लैंड की टीम उसे चुनौती नहीं दे सकी।

मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी ने इंस्टाग्राम पर ट्रॉफी के साथ तस्वीर साझा की और लिखा कि उन्हें मैदान पर खेलना अच्छा लगा और वह खुश हैं कि टीम की जीत में योगदान दे सके। उन्होंने मिले समर्थन के लिए आभार भी जताया।

भारत के इस शानदार अभियान की क्रिकेट जगत में खूब सराहना हुई। पूर्व अंडर-19 विश्व कप विजेता कप्तान विराट कोहली ने टीम की निरंतर सफलता की तारीफ की, वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर ने इसे भारतीय क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य का संकेत बताया।

किलियन एम्बाप्पे का फिर चला जादू, वालेंसिया के खिलाफ गोल दागकर रियल मैड्रिड को दिलाई शानदार जीत

नई दिल्ली, 9 फरवरी। रविवार को खेले गए ला लीगा मुकाबले में रियल मैड्रिड ने वालेंसिया को उसके घरेलू मैदान पर 2-0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद बार्सिलोना से दूरी एक अंक तक सीमित रखी। इस मुकाबले में रियल मैड्रिड ने ज्यादातर समय गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन मौके बनाने में टीम को संघर्ष करना पड़ा। पहले हाफ में वालेंसिया के गोलकीपर स्टोले दिमित्रिएव्स्की को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी और मैच काफी हद तक फीका रहा।

मौजूद जानकारी के अनुसार, मैच का पहला गोल 65वें मिनट में आया, जब फुलबैक अल्वारो कारेरेस ने किस्मत का साथ पाते हुए बढ़त दिलाई।

बॉक्स में आगे बढ़ते समय वह पहले गेंद गंवा बैठे, लेकिन डिफेंस की क्लीयरेंस उन्हीं से टकराकर वापस उनके पास आ गई। 22 वर्षीय कारेरेस ने तेजी दिखाते हुए निचले कोने में सटीक शॉट लगाया और स्कोर खोल दिया।

इसके बाद वालेंसिया की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। स्टॉपेज टाइम में रियल मैड्रिड ने मुकाबले को पूरी तरह अपने नाम कर लिया। सब्स्टीट्यूट ब्राहीम डियाज ने काउंटर अटैक शुरू किया और बाएं फ्लैंक से लो क्रॉस दिया, जिस पर किलियन एम्बाप्पे ने नजदीक से गोल कर जीत पक्की कर दी।

गौरतलब है कि यह एम्बाप्पे का लीग में 23वां गोल रहा, जिससे वह गोल्डन बूट की दौड़ में बाकी खिलाड़ियों से काफी आगे निकल चुके। इस मैच में रियल मैड्रिड को कई अहम खिलाड़ियों की कमी खली। विनिसियस जूनियर निलंबन के कारण बाहर रहे, जबकि जूड बेलिंघम, रोड्रिगो और एदर मिलिटाओ चोट के चलते नहीं खेल पाए। इन हालात में कोच अल्वारो आर्बेलोआ को अकादमी के युवा खिलाड़ियों राउल असेन्सियो, डेविड जिमेनेज और गोंजालो गार्सिया को मौका देना पड़ा। मैच के बाद आर्बेलोआ ने कहा कि वालेंसिया के खिलाफ खेलना हमेशा कठिन होता है और टीम ने पूरी प्रतिबद्धता दिखाई हैं। उन्होंने माना कि खेल में चमक की कमी रही, लेकिन मजबूती और अनुशासन ही ऐसी जीत की नींव होते हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि गोलकीपर थिबो कोर्टुआ को पूरे मैच में एक भी बचाव नहीं करना पड़ा।

डीपीएल सीज़न-18 में 20 टीमें भाग लेंगी

जयपुर, 9 फरवरी। डीपीएल जयपुर में डॉक्टर्स के बीच खेला जाने वाला बेहद प्रतिष्ठित वार्षिक क्रिकेट टूर्नामेंट है। एक ओर जहां अभी इंडियन प्रीमीयर लीग के मैचों को लेकर लोगों में उत्साह रहा है। तो वहीं दूसरी ओर डॉक्टर्स सोशल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के क्रिकेट ठाउंड में आयोजित होने वाली डॉक्टर्स क्रिकेट प्रीमियर लीग -20 में बैट और बॉल का रोमांच सिर चढ़कर बोलेगा।

गौरतलब है कि डॉक्टर्स प्रीमियर लीग एक अनूठी क्रिकेट लीग है जो आईपीएल की तर्ज़ पर डॉक्टरों के बीच खेली जाती है। इस बार सीज़न-18 में 20 टीमें भाग ले रही हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी ये लीग एक सामाजिक संदेश के साथ खेली जा रही है जिसमें स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता का प्रचार प्रसार होगा ।

रैफल्स सिरमौर कप के लिए आज से होगी टीमों के बीच टक्कर

जयपुर, 9 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत रैफल्स सिरमौर कप (14 गोल्स) के लिए चार टीमों के बीच कल से मुकाबलों की शुरुआत होगी। इन चार टीमों में जयपुर अरावली, जिंदल पोलो टीम, कैरेसिल सुहाना और विमल एरियन अचीवर्स शामिल हैं। इस कप के लिए फाइनल मुकाबला 15 फरवरी, रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे आयोजित होगा।

इस टूर्नामेंट के लिए मुकाबले कुछ इस प्रकार से होंगे। मंगलवार, 10 फरवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड (आरपीसी) पर जयपुर अरावली और जिंदल पोलो टीम के बीच मैच खेला जाएगा। इसी प्रकार, बुधवार 11 फरवरी को आरपीसी ग्राउंड पर कैरेसिल सुहाना और विमल एरियन अचीवर्स के बीच मुकाबला होगा। वहीं, गुरुवार, 12 फरवरी को मेंटेनेंस डे रहेगा।

शुक्रवार, 13 फरवरी को पीपीसी और आरपीसी ग्राउंड पर टीमों के बीच क्रॉस सेमिफाइनल मुकाबले आयोजित होंगे।

टीम जयपुर अरावली से खेलने वाले खिलाड़ियों में हिज हाइनेस महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह, लांस वॉटसन, प्रताप सिंह कानोता और मैनुअल फर्नांडीज लोरेंटे शामिल होंगे। टीम जिंदल पोलो से वैंकटेश जिंदल, सिद्धांत शर्मा, सिमरन शेरगिल और मैक्स चार्ल्टन खेलेंगे। इसी प्रकार, टीम कैरेसिल सुहाना की ओर से अशोक चांदना, कुलदीप सिंह राठौड़, मैनुअल प्राडो और माटियास वायल खेंलेगे। वहीं, टीम विमल एरियन अचीवर्स में शमशीर अली, डेनियल ओटामेंडी, अलेजो अरामबुरु सहित एक अन्य खिलाड़ी शामिल होंगे।

इसके अतिरिक्त, शनिवार, 14 फरवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे ईटन कॉलेज और मेयो कॉलेज के बीच एक टेस्ट मैच का आयोजन होगा।

फुटबॉल में लड़के व लड़कियों ने स्किल टेस्ट में लगाई पूरी ताकत

जयपुर, 9 फरवरी। सवाई मान सिंह स्टेडियम में राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा आयोजित की जा रही अकादमियों/बालिका खेल संस्थानों की चयन ट्रायल के अंतर्गत सोमवार को फुटबॉल में लड़के एवं लड़कियों ने स्किल टेस्ट में पूरी ताकत लगाई। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा गठित कमेटी ने बारीकी से नज़र रखी। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की सचिव श्रीमती नीतू बारूपाल ने बताया कि सोमवार को ही बालिका वालीबॉल अकादमी-जयपुर (70), बालक वालीबॉल अकादमी-झुंझुनू (95), बालिका आवासीय खेल संस्थान (बॉक्सिंग खेल)-जयपुर (7), बालिका आवासीय खेल संस्थान (भारोत्तोलन खेल)-जयपुर (14) के लिए कुल 186 खिलाड़ियों का रजिस्ट्रेशन एवं मेडिकल के बाद बैटरी टेस्ट लिया गया। इनके स्किल टेस्ट मंगलवार को होंगी।

राजस्थान की भूमि सदियों से आयुर्वेद का केन्द्र रही है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वर्ण जयन्ती समारोह में सुश्रुत भवन का लोकार्पण किया

जयपुर, 09 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान की मिट्टी में आयुर्वेद की जड़ें गहरी हैं, यहां औषधि उत्पादन की अद्भुत क्षमता है। प्रदेश के पहाड़ी, वन, औषधीय पौधे इसके साक्षी हैं कि यहां की भूमि सदियों से आयुर्वेद का केन्द्र रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आयुर्वेद के संवर्धन तथा जनमानस में उसके व्यापक उपयोग के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी सेवा, इन चारों स्तम्भों पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने पिछले पाँच दशकों में नेतृत्व स्थापित किया है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर एनआईए परिसर में नवनिर्मित ओपीडी "सुश्रुत भवन" का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के स्वर्ण जयंती समारोह में अपने उद्बोधन के दौरान कहा कि वर्ष 1976 में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एक महाविद्यालय के रूप में आरंभ होकर आज देश के प्रमुख डीम्ड टु बी आयुर्वेद यूनिवर्सिटी के रूप में विकसित हो गया है। राजस्थान की धरती पर स्थापित इस संस्थान ने पचास वर्षों में जिस ऊंचाई, प्रतिष्ठा और राष्ट्रीय नेतृत्व को प्राप्त किया है, वह प्रेरणास्पद है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी सेवा - इन चारों स्तंभों पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने पिछले पांच दशकों में नेतृत्व स्थापित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश को विश्वगुरु बनाने में आयुर्वेद और योग की प्रमुख भूमिका रही है।

केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष मंत्रालय और राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय प्रताप राव जाधव ने कहा कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की 50 वर्ष की यह यात्रा शोधकर्ताओं और कर्मयोगियों की अटूट निष्ठा, समर्पण और तपस्या का प्रतीक है।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रदेश में आयुष्मान आदर्श ग्राम योजना लाकर आयुर्वेद और योग के माध्यम से आरोग्य ग्राम बनाए जा रहे हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने एनआईए परिसर में नवनिर्मित ओपीडी "सुश्रुत भवन" का लोकार्पण किया। इससे पहले उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

फरीदाबाद, 09 फरवरी। फरीदाबाद की जेल में रविवार देर रात कैदियों के बीच हुई मारपीट के दौरान आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई। मृतक आतंकी को कुछ समय पहले ही जम्मू-कश्मीर से फरीदाबाद जेल में शिफ्ट किया गया था।

हत्या का आरोप इसी जेल में बंद अरूण चौधरी नामक कैदी पर लगा है।घटना के बाद सभी कैदियों को बैरकों में बंद कर दिया गया है।

आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या की खबर जेल प्रबंधन को सोमवार की सुबह गिनती के दौरान मिली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

सुप्रीम कोर्ट से सेंगर को नहीं मिली जमानत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **सुप्रीम कोर्ट ने उन्नाव रेप पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से जुड़े केस में हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए आरोपी कुलदीप सेंगर को जमानत नहीं दी।**

नई दिल्ली, 9 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से जुड़े मामले में पूर्व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से मना कर दिया।

चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और एन.वी. अंजनरिया की पीठ ने यह कहते हुए राहत देने से इनकार किया कि यह मामला "नैतिक अधर्मता (मॉरल टर्पीट्यूड)" से जुड़े अपराधों से संबंधित है।

हालाँकि, अदालत ने यह भी कहा कि सेंगर द्वारा अपनी सजा के खिलाफ दायर अपील हाई कोर्ट में लंबित है और इसे पीड़िता की उस अपील के साथ प्राथमिकता के आधार पर सुना जा सकता है, जिसमें 10 साल की सजा बढ़ाने की मांग की गई है। अदालत ने कहा, "हम उस मामले में अपीलकर्ता (पीड़िता) को यह स्वतंत्रता देते हैं कि वह हाई कोर्ट के समक्ष इसका उल्लेख कर सके। दिल्ली हाई कोर्ट एक सप्ताह के भीतर अपील पर सुनवाई करे और यदि हाई कोर्ट को लगे कि इसे सेंगर की अपील के साथ सुना जा सकता है, तो दोनों को एक साथ सुना और निपटाया जा सकता है। यदि इसके लिए पीठ की संरचना में बदलाव की आवश्यकता हो, तो वह भी किया जा सकता है।"

कांग्रेस ओम बिड़ला के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को एक कड़ा पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने स्पीकर के सभी आरोपों का खंडन किया है और कहा है कि वे कड़ी मेहनत से यहां तक पहुंची हैं और उनके खिलाफ इस तरह की टिप्पणी करना अध्यक्ष के लिए उचित नहीं है।

- **महिला सांसदों ने स्पीकर की टिप्पणी पर भारी आपत्ति की, उनके अनुसार, वे बड़ी मेहनत से भारी संघर्ष के बाद जीतकर आई हैं और स्पीकर को कोई अधिकार नहीं है, उन पर ऐसी टिप्पणी करने का।**

कांग्रेस अविश्वास प्रस्ताव में शामिल होने के लिए अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से बातचीत कर रही है।

कुछ दल इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि उन्हें क्या कदम उठाना चाहिए।

लेकिन कांग्रेस के पास अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त संख्या है। इसके लिए 20 दिन पहले नोटिस देना होता है और यह मार्च में बजट सत्र दोबारा शुरू होने पर लागू होगा।

समाजवादी पार्टी, डीएमके और वाम दल इस प्रस्ताव के समर्थन में हैं और सूत्रों के अनुसार, कई अन्य दल भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

विपक्षी नेताओं ने ओम बिड़ला पर आरोप लगाया है कि वे विपक्ष की बात सुनने और उन्हें संसदीय प्रक्रिया का हिस्सा बनने देने के बजाय, सत्तारूढ़ दल की आवाज बन गए हैं।

संसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड तुरंत मौके पर पहुंचे।

डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा कि अब तक 15 स्कूलों ने धमकी मिलने की सूचना दी है। सभी परिसरों की गहन जांच की जा रही है। इनमें से आठ धमकियों को बाद में फर्जी बताया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ईमेल की लोकेशन और सोर्स पता करने के लिए साइबर टीमें सक्रिय कर दी गई हैं।

कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के लिए खड़ी होंगी, तब शायद उस जन्मदिन पार्टी के बजट पर भी प्रकाश डालें, जिसे एप्स्टीन की एक सहयोगी ने उनके बेटे के लिए आयोजित किया था। खेड़ा ने कहा, हम जो कुछ खोज रहे हैं, वह बड़े स्कैंडल का केवल सिरा मात्र है। ऊपर से नीचे तक, भाजपा-एप्स्टीन के संबंध गहरे दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा, अमेरिकी न्याय विभाग की वेबसाइट पर ये दस्तावेज़ उपलब्ध है। उन्होंने कहा, एप्स्टीन फाइलों में जो सामने आया है और पूरी दुनिया में हलचल मचा रहा है, दीया कुमारी इसे स्वीकार करें, खंडन करें या मौन रहें, यह उन्हीं पर निर्भर है। दीया कुमारी राजस्थान सरकार में नंबर दो की स्थिति में हैं और उपमुख्यमंत्री के रूप में वे सरकार में एक जिम्मेदार पद संभाल रही हैं।

मान को विदेश यात्रा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीतिक मंजूरी की मांग को लंबित रख दिया और उनकी तय यात्रा पर कोई जवाब नहीं दिया।

यह तीसरा अवसर है, जब मुख्यमंत्री मान विदेश यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी हासिल नहीं कर पाए हैं। जनवरी में उन्हें यूके और इज़रायल की यात्रा के लिए भी मंजूरी नहीं दी गई थी

विदेश मंत्रालय ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को यूनाइटेड किंगडम और इज़रायल की आधिकारिक यात्रा के लिए राजनीतिक मंजूरी देने से इनकार कर दिया था। इससे पहले, पेरिस ओलंपिक के दौरान फ्रांस जाने के उनके अनुरोध को भी खारिज कर दिया गया था।

राजनीतिक मंजूरी बार-बार नहीं मिलने से एक बार फिर केन्द्र और राज्य के संबंध चर्चा में आ गए हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने केन्द्र सरकार पर विपक्ष द्वारा शासित राज्यों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

पार्टी नेताओं का कहना है कि ऐसे प्रतिबंध पंजाब की निवेश, शिक्षा और प्रवासी भारतीयों से जुड़ी गतिविधियों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी करने की क्षमता को प्रभावित करते हैं, खासकर तब, जब अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री पहले विदेश यात्राएं कर चुके हैं।

पंजाब के मुख्यमंत्री अगले महीने होने वाले इन्वैस्टर्स समिट से पहले राज्य के लिए निवेश जुटाने के उद्देश्य से इन दो यूरोपीय देशों में प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थे।

नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक सर्कुलेट करने पर एफ.आई.आर.

नई दिल्ली, 09 फरवरी। दिल्ली पुलिस ने सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के प्रसार के संबंध में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की है। पुलिस ने विभिन्न ऑनलाइन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और समाचार मंचों पर मिली जानकारी का संज्ञान लिया, जिसमें दावा किया गया था कि पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी की एक प्री-प्रिंट प्रति सर्कुलेट की जा रही है।

- **दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से मिली जानकारी के आधार पर संज्ञान लेकर रिपोर्ट दर्ज की।**
- **पता चला है कि पुस्तक की पीडीएफ कॉपी, जिसे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने बनाया है, कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध है।**

यह भी बताया गया कि इस पुस्तक के प्रकाशन के लिए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक अनुमति अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।

जांच करने पर पता चला कि इसी शीर्षक वाली एक टाइप की हुई पुस्तक की पीडीएफ कॉपी, जिसे पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है, कुछ वेबसाइटों पर उपलब्ध है, और कुछ ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म पर पुस्तक का अंतिम कवर इस तरह प्रदर्शित किया गया है, जैसे वह बिक्री के लिए उपलब्ध हो।

अभी तक अनुमति नहीं मिलने के कारण अप्रकाशित इस पुस्तक के लीक होने की गहन जांच के लिए स्पेशल सेल में मामला दर्ज किया गया है।

शरद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बारामती आवास पर पहुंचकर उनकी जांच की। इसके बाद शरद पवार को अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई थी।

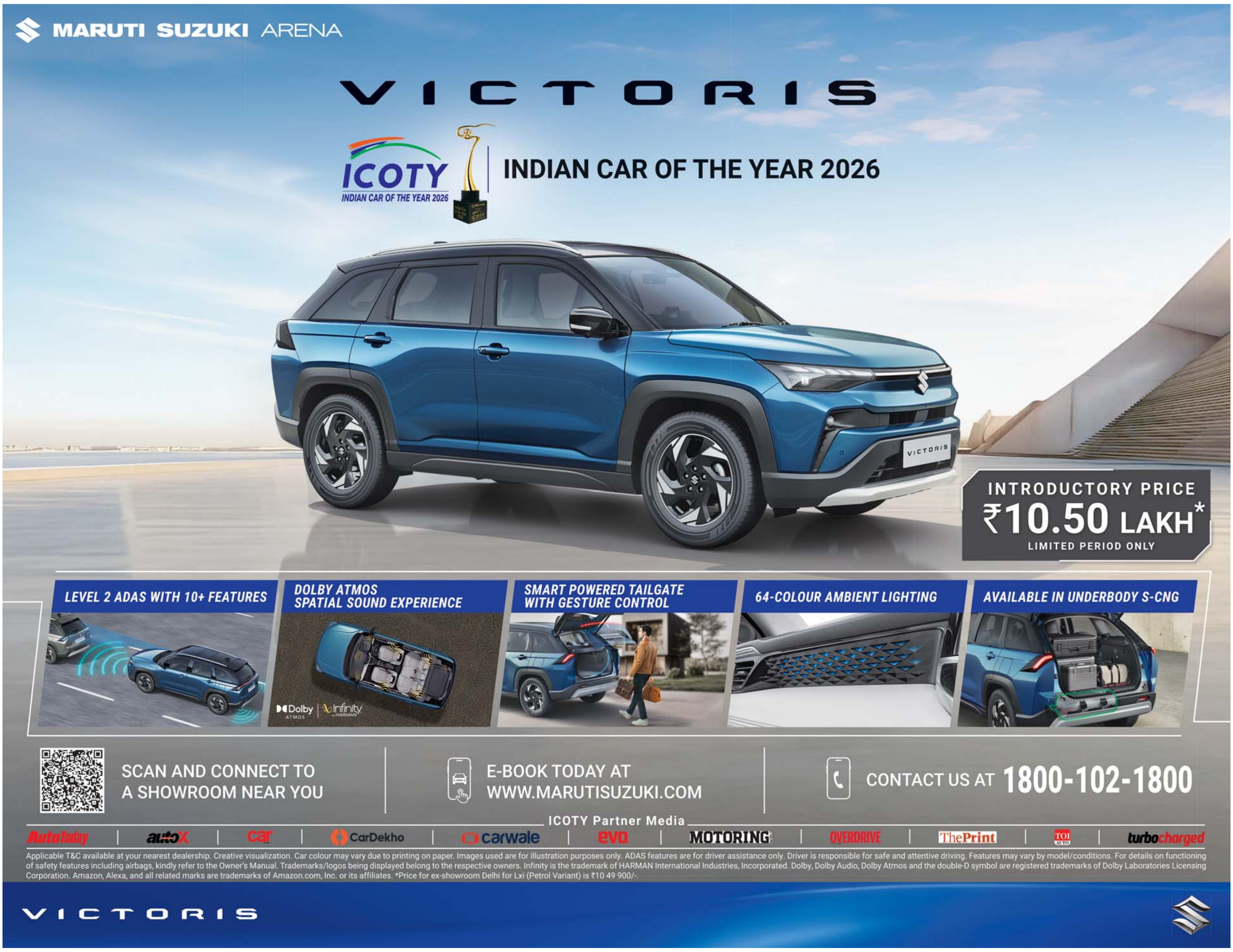

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908